

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



कल्याणपुर पुलिस की तत्परता से ई-रिक्शा में छूटा बैग.... पेज: 6

दिल्ली क्राइम सीजन 3 शो मेरे दिल के बेहद करीब... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 224 | बुधवार 18 नवम्बर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

श्रीनगर में कांग्रेस का विरोध मार्च रोका गया, भाजपा विधायक पर एफआईआर की मांग

श्रीनगर , एजेंसी । मंगलवार को जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के विरोध प्रदर्शन को पुलिस ने रोक दिया। यह प्रदर्शन भाजपा पर क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिशों के खिलाफ था, और इसमें किश्तवाड़ से भाजपा विधायक शगुन परिहार के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने की मांग की गई। बीजेपी विधायक परिहार ने दावा किया था कि किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या से पहले एक मस्जिद से कुछ घोषणाएं की गई थीं, जिस पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। पार्टी मुख्यालय एमए रोड पर कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ता एकत्र हुए। उन्होंने भाजपा के खिलाफ और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक कर्रा के समर्थन में नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य सड़क पर मार्च निकालने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। मीडिया से बात करते हुए, कांग्रेस की श्रीनगर जिला इकाई के अध्यक्ष आदिल मीर ने कहा कि उनकी पार्टी 'सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की भाजपा की कोशिशों' के खिलाफ आवाज उठाना चाहती थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें मुख्यालय से बाहर नहीं निकलने दिया। मीर ने मांग की कि परिहार के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए और वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। मीर ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता अपने प्रदेश अध्यक्ष तारिक कर्रा के प्रति एकजुटता व्यक्त करना चाहते थे, जिनकी उन टिप्पणियों के लिए भाजपा ने आलोचना की थी, जिनमें कर्रा ने एसपीओ को सुरक्षा बलों द्वारा गलती से आतंकवादी समझकर गोली मारने की आशंका जताई थी। मीर ने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी विफलताओं, खासकर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर, से ध्यान भटकाने के लिए जम्मू-कश्मीर में सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश कर रही है।

हरिद्वार में मासूम से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार में 11 महीने की बच्ची से कथित दुष्कर्म के आरोप में सौरभ नामक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को बाल्मीकि चौक के पास से पकड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है और उसकी मेडिकल जांच भी कराई जा रही है। सौरभ बिहार के भागलपुर निवासी है और सिडकुल क्षेत्र की निजी फैक्ट्री में काम करता है। यह हृदयविदारक घटना 15 नवंबर की रात सिडकुल क्षेत्र में घटी थी। घटना के बाद गंभीर हालत में बच्ची को हरिद्वार जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से बच्ची को ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले का रहने वाला बच्ची का परिवार भी हरिद्वार के औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में काम करता है। सौरभ कुछ दिन पहले ही इसी फैक्ट्री में काम करने आया था और उसने उनके कमरे के पास ही कमरा किराए पर लिया हुआ था। रविवार रात जब बच्ची की मां रसोई में खाना बना रही थी और बच्ची रो रही थी, तभी सौरभ बच्ची को चुप कराने के बहाने अपने कमरे में ले गया और कथित तौर पर दुष्कर्म किया। बच्ची के जोर-जोर से रोने की आवाज सुनकर उसकी मां दौड़कर आरोपी के कमरे में पहुंची, जहां मां ने बच्ची को बुरी हालत में पाया। बच्ची की मेडिकल जांच में उसके साथ दुष्कर्म के प्रयास की पुष्टि हुई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

दिल्ली में मकान की छत गिरने से 2 की मौत, कई लोगों के दबने होने की आशंका

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा इलाके के ज्वाला नगर में मकान की छत गिरने से अब तक दो लोगों की मौत की खबर सामने आई है, जबकि 7 से 8 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने रेस्क्यू जारी है। हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। हादसे में मृतकों व घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

डीएमके ने किया सरकार बनाने का दावा: तमिलनाडु में विजय सरकार पर संकट

चेन्नई , एजेंसी। तमिलनाडु में प्रमुख विपक्षी दल द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) ने राज्य में जल्द अपनी सरकार बनने का दावा किया है। पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा है कि उनके समर्थक उन्हें अभी भी मुख्यमंत्री कहकर बुलाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय राजधानी दिल्ली में थे और उनकी पार्टी, तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके), कथित तौर पर सरकार गिराने की कोशिशों के प्रति अपने विधायकों को आगाह कर रही है।

स्टालिन ने सोमवार को एक डीएमके नेता के परिवार में शादी समारोह में कहा कि टीवीके का मौजूदा शासन खराब प्रशासन प्रदान कर रहा है। उन्होंने समर्थकों से उन्हें मुख्यमंत्री कहना बंद करने का अनुरोध किया, क्योंकि यह उनके लिए शर्म और दुख की बात है, लेकिन साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि द्रमुक जल्द ही सरकार बनाएगी। यह पहली बार नहीं है जब स्टालिन ने ऐसा दावा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि राज्य के विपक्षी दल एक नए फ्लोर टेस्ट की मांग कर सकते हैं। खबरों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय ने हाल ही में अपने विधायकों की एक बैठक बुलाई थी जो करीब तीन घंटे तक चली। इस बैठक में उन्होंने विधायकों से व्यक्तिगत रूप से बात की, जिसमें 10 विधायकों के एक समूह से अलग से चर्चा की गई। रिपोर्टों के मुताबिक, विधायकों को चेताया गया था कि सरकार को गिराने की कोशिश हो सकती है और उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी गई थी। एक विधायक ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव को 6 महीने (13 मई से 13 नवंबर) पूरे हो चुके हैं और 13 नवंबर के बाद कभी भी एक और अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। विधायकों को यह भी बताया गया कि सरकार के पास ऐसी जानकारी है कि विपक्ष सत्तारूढ़ दल के नेताओं को अपने पाले में लाने की कोशिश कर सकता है। आरोप लगाए गए थे कि डीएमके और अन्य विपक्षी दल दिल्ली में राजनीतिक ताकतों की मदद से इसे अंजाम दे सकते हैं। विधायकों को ऐसे किसी भी राजनीतिक फैसले से बचने की सलाह दी गई,



जिससे उनके राजनीतिक करियर पर खतरा हो। गौरतलब है कि 4 मई को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के कुछ दिनों बाद ही विजय सरकार को फ्लोर टेस्ट का सामना करना पड़ा था। स्टालिन ने अक्टूबर में ही यह भविष्यवाणी कर दी थी कि मौजूदा सरकार शायद 6 महीने भी पूरे न कर सके।

केजरीवाल का शीशमहल अब आम जनता के लिए खुलेगा

- भ्रष्टाचार का उदाहरण दिखाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने महत्वपूर्ण घोषणा कर कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का पुराना सरकारी आवास, जो कि शीशमहल के नाम से जाना जाता है, अब आम जनता के लिए खोला जाएगा। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस आवास को देखने के लिए समय आरक्षित करने और टिकट बुक करने की व्यवस्था अगले सप्ताह तक शुरू कर दी जाएगी। रेखा के मंत्री प्रवेश सिंह ने कहा कि यह कदम जनता की मांग पर उठाया गया है और इसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण पेश करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति जो कि कभी सरकारी वाहन का उपयोग न करने का वादा किया था, उसने कई अन्य घरों को ध्वस्त कर अपने लिए यह आलीशान आवास बनवाया। शुरुआत में मीडिया को आवास का दौरा कराया जाएगा, जिसके बाद आम लोग टिकट खरीदकर इसके आंतरिक हिस्सों को देख सकते है। फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगला नंबर छह में केजरीवाल 2015 से 2024 तक मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान रहे थे। इस बंगले को शीशमहल नाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक राजनीतिक अभियान के दौरान दिया था, ताकि आम आदमी पार्टी और उसके राष्ट्रीय संयोजक पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उजागर कर सके। पिछले साल भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि केजरीवाल के तत्कालीन सरकारी आवास के नवीनीकरण पर 33.66 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, जो अनुमानित लागत से 342 प्रतिशत अधिक थे।

बिलकिस बानो का दर्द: दोषियों की जमानत पर फिर छलका अविश्वास

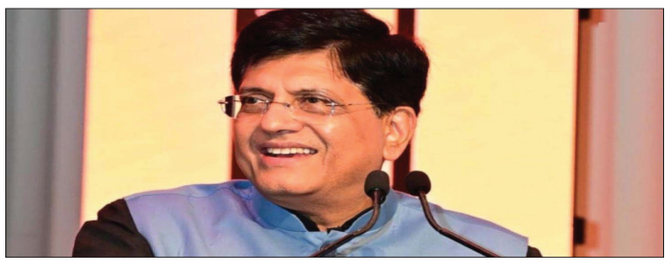
नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान सामूहिक बलात्कार और परिवार के सात सदस्यों की हत्या के दोषी दो लोगों की उम्रकैद की सज़ा पर रोक लगाकर उन्हें ज़मानत दे दी है। इस फैसले पर बिलकिस बानो ने गहरा सदमा और अविश्वास जताया है, उनका कहना है कि यह आदेश उन्हें सुने बिना ही पारित किया गया। अपने बयान में, बिलकिस ने कहा कि दर्द, सदमे और अविश्वास के कारण उनकी आँखों से आँसू बह रहे हैं और कुछ बोल पाना भी मुश्किल हो रहा है।



उन्होंने कहा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि एक बार फिर, दूसरी बार, सुप्रीम कोर्ट ने मुझे बुलाए या मेरी बात सुने बिना ही आदेश पारित कर दिया। उन्हें इसकी जानकारी प्रेस रिपोर्टों से मिली। बिलकिस ने अपनी आपबीती याद कर कहा कि 19 साल की उम्र में उनकी नन्ही बेटी, परिवार, घर और इंसानियत पर उनका भरोसा सब कुछ बेरहमी से छीन लिया गया था। उस दिन के बाद से, पिछले 24 सालों से वह अपने लिए और हर जगह की महिलाओं के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रही हैं, जिसमें उन्हें लाखों लोगों का समर्थन और एकजुटता मिली है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस पी.बी. वराले की सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने बिपिन चंद्र जोशी और प्रदीप मोर्डिया को ज़मानत दी। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि वे 17 साल से अधिक समय से जेल में बंद थे। यह मामला 2002 के गुजरात दंगों की सबसे भयानक घटनाओं में से एक से जुड़ा है, जब गर्भवती बिलकिस बानो के साथ दोषियों ने सामूहिक बलात्कार किया था। उनकी 3 साल की बेटी का सिर एक चट्टान पर पटक कर हत्या कर दी गई थी। उनकी माँ और चचेरी बहन (जिसने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया था) के साथ भी सामूहिक बलात्कार कर उनकी हत्या की गई। 8 नाबालिगों सहित परिवार के सात सदस्य क्रूर हिंसा का शिकार बने और मारे गए। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस मामले का मुकदमा गुजरात से महाराष्ट्र स्थानांतरित किया गया था, जहाँ मुंबई की ट्रायल कोर्ट ने 11 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई थी।

भारत को चाहिए 2000 विमान: 1000 और खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए देश 1,000 और विमान खरीदने की तैयारी कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मिस्र की राजधानी काहिरा में यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत को अपनी जरूरतों के लिए 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है, जबकि 1,200 से अधिक का ऑर्डर पहले ही दिया जा चुका है। सरकार विमान निर्माताओं से जल्द आपूर्ति के लिए बातचीत कर रही है। देश में हवाई यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि इसकी प्रमुख वजह है। अब छोटे शहरों में भी हवाई यात्रा आम लोगों की पहुंच में आ रही है, साथ ही अर्थव्यवस्था के विस्तार, कारोबार और पर्यटन ने भी मांग बढ़ाई है। अनुमान है कि भारत में हवाई यात्रियों की संख्या औसतन 8.9 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ सकती है।



हालांकि, भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा पहले ही 1,200 से अधिक विमानों के बड़े ऑर्डर दिए जा चुके हैं, फिर भी कमी बनी हुई है। इसकी मुख्य वजह वैश्विक उत्पादन संबंधी बाधाएं, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट, इंजन की कमी और कुशल कर्मचारियों का अभाव है, जिसके कारण विमानों की डिलीवरी में कई साल की देरी हो रही है। कुछ मामलों में तो 15 साल तक लग सकते हैं। इस बीच, इंडिगो और एयर इंडिया जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियों ने भी बड़े ऑर्डर दिए हैं। इंडिगो ने एयरबस को 500 ए320 फैमिली विमानों और बाद में 60 ए350 विमानों का ऑर्डर दिया है। वहीं, एयर इंडिया समूह ने 2023 में 470 और 2024 में 100 एयरबस विमानों सहित कुल 570 विमानों का ऐतिहासिक ऑर्डर दिया है। इस विस्तार का मकसद घरेलू बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के साथ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का नेटवर्क बढ़ाना है। सरकार की योजना सिर्फ विदेशों से विमान खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश में विमान निर्माण को बढ़ावा देना भी है। इसी दिशा में ब्राजील की विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर और अडानी समूह ने भारत में क्षेत्रीय विमानों के निर्माण की संभावनाओं पर काम करने के लिए साझेदारी की है। अनुमान है कि 2035 तक भारत का कमर्शियल विमान बेड़ा करीब 2,250 विमानों का हो सकता है। नए विमानों की उपलब्धता से हवाई यात्रियों को सीधा फायदा मिलेगा, जिसमें अधिक उड़ानें, बेहतर कनेक्टिविटी (खासकर छोटे शहरों और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर) और यात्रा के अधिक विकल्प शामिल हैं। हालांकि, ईंधन लागत, मांग और परिचालन खर्च जैसे कारकों के कारण टिकटों की कीमतों में तत्काल बड़ी गिरावट की संभावना कम है। इस व्यापक विस्तार के लिए विमान खरीदने के साथ-साथ 35,000 पायलट, 34,000 तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती और हवाई अड्डों तथा रखरखाव सुविधाओं की क्षमता बढ़ाना भी आवश्यक होगा।

अमिताभ और अभिषेक को गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों की जान से मारने की धमकी

मुंबई ,एजेंसी। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को फिर जान से मारने की धमकी मिली है। कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने पोस्ट साझा कर उन्हें निशाना बनाने की चेतावनी दी है। इस धमकी में साफ कहा गया है कि वे चाहे जितने बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लें, उन्हें वहीं मार दिया जाएगा। इस पोस्ट के सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। कुख्यात गैंगस्टर ढिल्लों ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुंबई से उसके दो साथियों, विकास ठाकुर और दीपक सिंह को गिरफ्तार किया है। कुख्यात गैंगस्टर ने स्पष्ट किया कि इन गिरफ्तारियों के बावजूद उनकी कथित योजना नहीं रुकेगी और इन दोनों का संबंध किसी दूसरे गैंग से नहीं है। गोल्डी ने धमकी को 1984 के सिख विरोधी नरसंहार से जोड़ा, जिसमें कुख्यात गैंगस्टर ने कहा कि इसके दोषियों को माफ नहीं किया जाएगा। इसके बाद सीधे तौर पर अमिताभ और अभिषेक बच्चन का नाम लेकर कहा कि वे चाहें जितने बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लें, उन्हें वहीं निशाना बनाया जाएगा। गैंगस्टर ने धमकी भरे लहजे में लिखा, दोनों को बुलेटप्रूफ केबिन में ही मारा जाएगा।

फिलहाल, सोशल मीडिया पर सामने आई गंभीर धमकी को लेकर संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर भी फायरिंग की घटना हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। उस घटना के बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ाई गई थी। बिग बी अब हर रविवार अपने घर के बाहर फैंस से बुलेटप्रूफ केबिन के भीतर से ही मुलाकात करते हैं। अमिताभ बच्चन को इससे पहले भी कई बार जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं।

सोनिया की किताब लांच में कैप्टन अमरिंदर: कांग्रेस वापसी की अटकलें खारिज

मेरा गांधी परिवार से पुराना और निजी संबंध

नई दिल्ली , एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम ने देश के सियासी गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलोंगिंग- अ जर्नी ऑफ लव के विमोचन समारोह में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह की मौजूदगी ने सभी का ध्यान खींचा। कार्यक्रम की सबसे खास तस्वीर तब सामने आई, जब अमरिंदर सिंह अगली पंक्ति में विपक्षी इंडिया गठबंधन के दिग्गज नेताओं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ बैठे दिखे। इससे कांग्रेस में उनकी संभावित वापसी की अटकलें तेज हो गईं, खासकर जब उन्हें भाजपा से नाखुश बताया जा रहा है। हालांकि, कैप्टन सिंह ने इन सभी अटकलों को पूरी तरह से खारिज किया है। अमरिंदर ने पांच साल पहले कांग्रेस छोड़ दी थी, जब उन्हें पंजाब के मुख्यमंत्री पद से हटाया था। इसके बाद उन्होंने 19 सितंबर 2022 को औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का दामन थाम लिया था। गांधी परिवार के साथ उनके करीबी रिश्ते और राजीव गांधी के साथ उनकी जवानी के दिनों की दोस्ती भी उनकी वापसी की अटकलों को हवा दे रही थी।

कार्यक्रम में शामिल होने का कारण बताकर कैप्टन सिंह ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से एक सामाजिक मुलाकात थी। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार के साथ उनके दशकों पुराने गहरे निजी संबंध हैं और राजनीतिक विचारधाराओं को सामाजिक मेल-जोल के आड़े नहीं आना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि सोनिया गांधी भी अतीत में उनकी तीन किताबों के लांच कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा, हम यहां एक सामाजिक कार्यक्रम के लिए आए हैं। इसमें राजनीतिक मुद्दे कहां से आ गए? कई अन्य देशों में, लोग अपनी राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर भी सामाजिक रूप से मिलते-जुलते रहते हैं।

कांग्रेस में फिर शामिल होने की संभावना के बारे में पूछने पर, भाजपा नेता ने दृढ़ता से कहा कि वे एक बार फैसला लेने के बाद उस फैसले को पलटने में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने स्पष्ट किया कि गांधी परिवार के साथ उनकी मुलाकातें केवल सामाजिक रही हैं और किसी ने भी उनसे पार्टी में वापस लौटने के बारे में कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा, एक बार जब आप कोई फैसला ले लेते हैं, तब आपको बाद में जाकर शिकायत नहीं करनी चाहिए। मैं इसमें यकीन नहीं रखता। मैं यहाँ बस एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने आया हूँ। मैं इस परिवार को कई सालों से जानता हूँ। हमारा रिश्ता बहुत करीबी हैज किसी ने मुझसे कभी नहीं पूछा कि मुझे उनके साथ जुड़ना चाहिए या नहीं।

इस मौके पर, राहुल गांधी ने भी गांधी परिवार के साथ अमरिंदर के लंबे जुड़ाव को याद किया। उन्होंने एक दिलचस्प घटना का जिक्र किया, जब उनके पिता राजीव गांधी, अमरिंदर सिंह से फोन पर बात कर रहे थे और उसी समय राहुल की अपनी माँ सोनिया गांधी से बहस हो गई थी। राहुल ने याद किया, हमने उन्हें (राजीव गांधी और सोनिया गांधी को) बहस करते देखा था, हालाँकि हमने उन्हें लड़ते हुए सिर्फ एक ही बार देखा है। संयोग



की बात देखिए-जब ऐसा हुआ, तब मेरे पिता फोन पर अमरिंदर जी से बात कर रहे थे। वह इकलौता मौका था जब हमने उन्हें लड़ते हुए देखा। यह वाकया दोनों परिवारों के बीच की व्यक्तिगत निकटता को दिखाता है, बावजूद इसके कि अमरिंदर अब एक अलग राजनीतिक दल में हैं।

प्रचंड चक्रवात अकवान का खतरा: 20 नवंबर को आंध्र तट पर 145 किमी/घंटा की रफ्तार से देगा दस्तक

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात अकवान तेजी से खतरनाक होता जा रहा है। मंगलवार यह चेन्नई से 610 किलोमीटर पूर्व में केंद्रित था और अब यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। समुद्र की सतह का तापमान और अनुकूल मौसमी परिस्थितियाँ इसकी तीव्रता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। मौसम विभाग लगातार इस पर निगरानी रख रहा है और लगातार अपडेट दे रहा है। नवीनतम पूर्वानुमान के मुताबिक, अकवान मंगलवार शाम तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। इसके बाद, यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़कर 19 नवंबर की सुबह तक एक बहुत गंभीर साइक्लोन का रूप ले लेगा।

पूर्वानुमान के मुताबिक, चक्रवात अकवान 20 नवंबर को दोपहर के आसपास आंध्र प्रदेश और यानम तट पर नेल्लोर और तुनी के बीच लैंडफॉल करेगा। इस दौरान हवाओं की निरंतर गति 120 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा रहने का अनुमान है, जबकि झोंके 145 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकते हैं। यह आंध्र प्रदेश के लिए हाल के समय में तीसरा बड़ा चक्रवाती खतरा है, जिससे राज्य प्रशासन पहले से ही सतर्क है।



लैंडफॉल के बाद, यह तेजी से कमजोर होकर तेलंगाना की तरफ बढ़ेगा। तटीय इलाकों में समुद्र बहुत उफान पर रहेगा, इसलिए मछली पकड़ने की गतिविधियों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। मछुआरों और नाविकों को समुद्र में न जाने की सख्त चेतावनी जारी की गई है ताकि जान-माल का नुकसान न हो।

19 और 20 नवंबर को आंध्र के तटीय क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है, कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा भी हो सकती है। इससे निचले इलाकों में जलभराव, पेड़ों का उखड़ना, बिजली आपूर्ति में बाधा, कमजोर संरचनाओं को नुकसान और कृषि फसलों पर असर पड़ सकता है। ओडिशा और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी इसका प्रभाव बारिश के रूप में देखा जा सकता है। आंध्र प्रदेश सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह से सतर्क हैं। अधिकारियों को नियमित चेतावनी जारी करने, संवेदनशील क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गिरे हुए पेड़ों और बिजली के खंभों को तुरंत हटाने, राहत एवं बचाव कार्यों को तेज करने और जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया जा रहा है। लोगों से आधिकारिक अपडेट पर नजर रखने, अनावश्यक यात्रा से बचने और आपातकालीन नंबरों को अपने पास रखने की अपील की गई है। समय पर बरती गई सावधानी से जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मौसम विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और नियमित रूप से जानकारी साझा कर रहा है।

बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर देश भर के नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मुंबई , एजेंसी । राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रणेता और शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे को उनकी पुण्यतिथि पर देश के राजनीतिक दिग्गजों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मनोहर लाल से लेकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों सहित कई नेताओं ने उन्हें याद किया और उनके सिद्धांतों एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को सराहा। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने बालासाहेब को राष्ट्रवाद के ओजस्वी स्वर और अद्वितीय वक्ता बताकर महाराष्ट्र के विकास में उनके अहम योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बालासाहेब अपने प्रखर विचारों के लिए सदैव हमारे हृदय में अमर रहेंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बालासाहेब के जीवन को साहस, स्पष्टवादिता और सांस्कृतिक स्वाभिमान की अद्भुत मिसाल बताया।

एसआईआर प्रक्रिया में समयसीमा बढ़ाए जाने के बाद भी नाम जुड़वाने की रफ्तार धीमी

दिल्ली में 17 दिनों में महज 31,027 फार्म-6 आवेदन मिले

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया में समयसीमा बढ़ाए जाने के बावजूद नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने की रफ्तार धीमी है। चुनाव आयोग की ओर से 29 अक्टूबर को दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 25 नवंबर किए जाने के बाद 17 दिनों में महज 31,027 फार्म-6 आवेदन मिले हैं। इसके साथ ही 31 अगस्त को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद से 15 नवंबर तक प्राप्त कुल आवेदनों की संख्या 3.10 लाख के करीब पहुंची है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 31 अगस्त से 30 अक्टूबर के बीच 2.79 लाख फार्म-6 आवेदन जमा हुए थे। वहीं 29 अक्टूबर को समयसीमा बढ़ाए जाने के बाद 15 नवंबर तक 31,027 और आवेदन मिले। फार्म-6 के जरिये पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन करते हैं। बता दें दिल्ली में एसआईआर की प्रक्रिया 30 जून को घर-घर एन्यूमरेशन फार्म बांटने के साथ शुरू हुई थी। इसके बाद 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची से करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए। इन मतदाताओं के एन्यूमरेशन फार्म निर्वाचन अधिकारियों को वापस नहीं मिल पाए थे।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद निर्वाचन आयोग ने 29 अक्टूबर को एसआईआर की समयसीमा में बदलाव किया था। इसके तहत दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 25 नवंबर और अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की तारीख 22 दिसंबर तय की गई थी। वहीं अब अधिकारियों का कहना है कि फार्म-6 के कम आवेदन और नए सिरे से एन्यूमरेशन फॉर्म बांटने की जरूरत को देखते हुए समयसीमा में एक बार फिर विस्तार किया जा सकता है। अधिकारियों के मुताबिक इस सप्ताह के अंत तक नए सिरे से एन्यूमरेशन फार्म बांटने का काम शुरू होने की उम्मीद है। ऐसे में एसआईआर की प्रक्रिया को तय समय में पूरा करना निर्वाचन अधिकारियों के लिए चुनौती बन सकता है।

2 सब का सपना
हिंदी दैनिक
विचार मंथन
अमरोहा
बुधवार 18 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली ! दुनिया में अशांति फैलाने वाले डोनाल्ड ट्रंप-Xi करेंगे शांति की बात



नीरज कुमार दुबे

हर साल नोबेल शांति पुरस्कार पाने की ख्वाहिश जाहिर करने वाले डोनाल्ड ट्रंप की शांति वाली मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले संबोधन में दुनिया को युद्धों से मुक्त कराने और शांति स्थापित करने का वादा करने वाले ट्रंप की नीतियां इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दी हैं।

दुनिया में वैसे तो तमाम तरह के विरोधाभास देखने को मिलते रहे हैं, लेकिन अब दुनिया की तीन सबसे बड़ी शक्तियां खुद एक ऐसा कदम उठाने जा रही हैं, जिसे इस दौर का सबसे बड़ा विरोधाभास कहा जा सकता है। दुनिया को युद्ध, तनाव और टकराव की आग में झोंकने वाली ये तीनों ताकतें अब एक मंच पर बैठकर शांति और वैश्विक स्थिरता पर चर्चा करने जा रही हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की इस प्रस्तावित मुलाकात को लेकर पूरी दुनिया में उत्सुकता है। उत्सुकता इसलिए है क्योंकि ट्रंप लगातार ईरान को सैन्य कार्रवाई की धमकियां दे रहे हैं, पुतिन लगभग पांच साल से यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे हैं और जिनपिंग ताइवान से लेकर दक्षिण चीन सागर तक अपनी सैन्य और क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं से पड़ोसी देशों की चिंता बढ़ा रहे हैं, लेकिन अब यही तीनों नेता दुनिया को शांति का रास्ता दिखाने के लिए एक साथ बैठेंगे। ऐसे में सवाल सिर्फ इस बैठक के एजेंडे का नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे उन सामरिक और रणनीतिक उद्देश्यों का भी है, जिनका असर आने वाले समय में पूरी दुनिया की राजनीति पर पड़ सकता है।

देखा जाये तो हर साल नोबेल शांति पुरस्कार पाने की ख्वाहिश जाहिर करने वाले डोनाल्ड ट्रंप की शांति वाली मंशा पर सवाल उठना लाजिमी है। दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अपने पहले संबोधन में दुनिया को युद्धों से मुक्त कराने और शांति स्थापित करने का वादा करने वाले ट्रंप की नीतियां इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दी हैं। ईरान के साथ सैन्य टकराव, अमेरिकी हमले और तेहरान के जवाबी पलटवार ने पूरे मध्य पूर्व को बारूद के ढेर पर खड़ा कर दिया। इस संघर्ष ने न केवल बड़ी संख्या में लोगों की जान ली, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर भी महंगाई का बोझ बढ़ाया। ईरान को लेकर ट्रंप का लगातार बदलता रुख कभी सैन्य धमकियों, कभी अधिकतम दबाव और कभी बातचीत की पेशकश के रूप में सामने आता रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि शेनझेन में होने वाली बैठक ट्रंप की वास्तविक शांति पहल है या फिर दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के मुखिया के रूप में अपना दबदबा स्थापित करने का एक और मंच है?



दूसरी तरफ व्लादिमीर पुतिन हैं। यूक्रेन के साथ रूस का युद्ध लगभग पांच साल पूरे करने की तरफ बढ़ रहा है। अब तक हजारों लोगों की जान जा चुकी है, कई शहर तबाह हुए हैं और यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था दशकों के सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। जिस युद्ध को रूस ने अपनी सुरक्षा और रणनीतिक हितों का सवाल बताकर शुरू किया था, वह अब वैश्विक शक्ति संतुलन की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल हो चुका है। ऐसे में सवाल यह है कि पुतिन शांति की बातचीत में क्या प्रस्ताव लेकर पहुंचेंगे? क्या वह युद्ध समाप्त करने का रास्ता तलाशेंगे या अपनी सैन्य कार्रवाई से हासिल किए गए क्षेत्रीय और राजनीतिक लाभ को अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाने की कोशिश करेंगे?

पुतिन के लिए इस बैठक का एक बड़ा फायदा यह भी है कि अमेरिकी और चीनी राष्ट्रपति के साथ एक ही मंच पर बैठना रूस की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को नई वैधता और प्रतिष्ठा दे सकता है। देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों की ओर से रूस को अलग-थलग करने की कोशिशों के बीच यह तस्वीर मॉस्को के लिए अपने आप में बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि होगी।

कथित शांति की चाह रखने वाले तीसरे खिलाड़ी शी जिनपिंग हैं। देखा जाये तो चीन एक तरफ खुद को वैश्विक शांति और सहयोग का समर्थक बताता है, दूसरी तरफ ताइवान को लेकर उसकी सैन्य और राजनीतिक धमकियां लगातार क्षेत्रीय तनाव बढ़ाती हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन की विस्तारवादी गतिविधियां फिलीपींस, वियतनाम और अन्य पड़ोसी देशों की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती रही हैं। समुद्री क्षेत्रों पर दावेदारी, सैन्य ठिकानों का विस्तार और क्षेत्र में अपनी रणनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिशें चीन की महत्वाकांक्षाओं को उजागर करती हैं। सवाल है कि ताइवान और दक्षिण चीन सागर में दबाव की राजनीति करने वाले जिनपिंग शेनझेन में किस तरह की शांति व्यवस्था की बात करेंगे? क्या चीन अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर कोई समझौता करने के लिए तैयार है?

देखा जाये तो इस बैठक के मायने केवल शांति की अपील तक सीमित नहीं हैं। इसके पीछे परमाणु हथियारों का संतुलन, वैश्विक सैन्य वर्चस्व, आर्थिक हित और नई विश्व व्यवस्था की लड़ाई भी छिपी है। अमेरिका चाहता है कि चीन भी परमाणु हथियारों पर नियंत्रण से जुड़ी बातचीत में शामिल हो। रूस के साथ अमेरिका की पुरानी परमाणु हथियार नियंत्रण व्यवस्था समाप्त हो चुकी है और वाशिंगटन अब बीजिंग को भी इस व्यवस्था का हिस्सा बनाना चाहता है। लेकिन चीन के परमाणु हथियारों का भंडार अमेरिका और रूस की तुलना में काफी छोटा है। ऐसे में जिनपिंग क्यों ऐसी बातचीत में शामिल होंगे जिसमें उनकी सामरिक बढ़त के बजाय उनकी शक्ति को सीमित करने पर चर्चा हो?

देखा जाये तो पुतिन के लिए यूक्रेन युद्ध के बीच अमेरिका के साथ सीधे संवाद का रास्ता महत्वपूर्ण है, जबकि जिनपिंग के लिए यह साबित करने का अवसर है कि दुनिया की बड़ी शक्तियों के बीच किसी भी नए वैश्विक समीकरण में चीन की भूमिका निर्णायक होगी। वहीं ट्रंप के लिए यह मुलाकात अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी नेतृत्व क्षमता और कूटनीतिक प्रभाव दिखाने का मौका है।

साथ ही इस बैठक को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या दुनिया की व्यवस्था अब तीन महाशक्तियों के आपसी समझौतों से तय होगी? क्या छोटे देशों की संप्रभुता, उनकी सुरक्षा और उनके भविष्य पर भी इन तीनों की बातचीत का प्रभाव पड़ेगा? यूक्रेन, ताइवान और दक्षिण चीन सागर से जुड़े देशों की चिंता इसी वजह से बढ़ रही है। कहीं यह मुलाकात 1945 के याल्टा सम्मेलन जैसी किसी नई वैश्विक शक्ति व्यवस्था की शुरुआत तो नहीं बनने जा रही, जहां बड़ी ताकतें अपने हितों के अनुसार दुनिया के प्रभाव क्षेत्रों का निर्धारण करने लगें?

बहरहाल, तीन नेता, तीन महाशक्तियां और पूरी दुनिया के भविष्य से जुड़े कई बड़े सवाल सामने हैं। शांति की मेज पर आमने-सामने बैठने जा रहे इन तीनों नेताओं की असली परीक्षा इस बात से होगी कि वे अपनी सामरिक महत्वाकांक्षाओं और वैश्विक वर्चस्व की होड़ से कितना पीछे हटने को तैयार हैं। क्या ट्रंप, पुतिन और जिनपिंग दुनिया को शांति का नया रास्ता दिखा पाएंगे या उनकी यह मुलाकात भी महज कूटनीतिक शक्ति प्रदर्शन बनकर रह जाएगी? अंत में एक बार फिर से वही सवाल उठता है कि जो नेता अपने-अपने मोर्चों पर तनाव और टकराव की राजनीति कर रहे हैं, क्या वे वास्तव में दुनिया को अशांति से बाहर निकालने का इरादा रखते हैं?

संपादकीय

एआई के संकल्प

ऐसे वक्त में जब दुनिया में तकनीकी वर्चस्व वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आ गया है, 'सैन 'फ्रांसिस्को घोषणा' के गहरे निहितार्थ और महत्व को समझना कठिन नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घोषणा पर अमेरिका और भारत सहित नौ अन्य विकसित देशों ने हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता इस बात पर जोर देता है कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बल पर ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक आपूर्ति शृंखला को सुरक्षित किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर घोषणा का एक अघोषित उद्देश्य इस उभरती हुई नई प्रौद्योगिकी में चीन के निरंतर बढ़ते दबदबे का मुकाबला करना भी है। चीन ने एक सुनियोजित ढंग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में व्यापक और दीर्घकालीन निवेश किया है। इसमें दो राय नहीं कि उसकी उपलब्धियां अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने वाली हैं। यही वजह है कि अमेरिका ने 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' को हकीकत बनाने को प्राथमिकता दी है। अमेरिका दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका के चलते इस दौर को 'सुपर इंटेलिजेंस युग' का नाम देता है। अमेरिका की 'पैक्स सिलिका' पहल एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करती है कि दुनिया का कोई भी देश अकेले बूते पर बेहद जटिल प्रक्रिया वाले एआई इकोसिस्टम की हर कड़ी को सुरक्षित नहीं कर सकता है। उदाहरण के तौर पर देखें तो महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर ऊर्जा नेटवर्क और डिजिटल बुनियादी ढांचे तक, तकनीकी प्रगति आपस में जुड़ी वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं पर निर्भर करती है। इस शृंखला में किसी भी तरह का अवरोध किसी भी देश के आर्थिक ढांचे को गहरे तक प्रभावित कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इन नेटवर्कों में यदि किसी भी तरह का व्यवधान पैदा होता है तो उसके दूरगामी आर्थिक और भू-राजनीतिक दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। जो किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिये, इस सुपर इंटेलिजेंस युग वाले दौर में तमाम चुनौतियां खड़ी कर सकता है। निश्चित रूप से 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' पर भारत का हस्ताक्षर करना एआई के दौर में हमारी उपलब्धियों की वैश्विक स्वीकार्यता का ही परिचायक है। भारत के लिए अमेरिका और अन्य विकसित देशों के साथ शामिल होना जहां एक ओर अच्छा रणनीतिक अवसर है, वहीं देश को जिम्मेदारियों का अहसास भी कराता है। भारत हालिया वर्षों में एक उभरते हुए टेक्नोलॉजी बाजार के रूप में सामने आया है। भारत की महत्वाकांक्षा वैश्विक सेमीकंडक्टर और मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की रही है। हाल के वर्षों में भारत ने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और कई मध्यपूर्व के देशों के साथ मजबूत व्यापारिक साझेदारियां की हैं। जाहिर तौर पर ये विकसित व मजबूत आर्थिक देश जब कोई साझेदारी करते हैं तो उन्हें कुछ पाने की ही उम्मीद होती है। ऐसे में भारत इन मजबूत साझेदारियों, विभिन्न आपूर्ति शृंखलाओं, निवेश और उन्नत तकनीकों का बेहतर ढंग से लाभ उठा सकता है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि इन भरोसेमंद साझेदारों के साथ सहयोग करने से भारत पहले की तरह चंद देशों पर अत्यधिक निर्भरता कम कर सकता है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक देश पर निर्भर रहना आर्थिक संप्रभुता के लिये चुनौती बन सकती है। ऐसे में नये भरोसेमंद साझेदारों के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद मिल सकती है। विडंबना यह भी है कि यह घोषणा ऐसे समय में सामने आई है, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रांति की अगुवाई करने वाली शीर्ष कंपनियों में से एक-एनवीडिया विवादों में घिरी है और उसके शेयरों पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

चिंतन-मनन

समता की अनुभूति

मनोबल के विकास का दूसरा सूत्र बताया गया है- स्व दर्शन समता का दर्शन या परमात्मा का दर्शन। प्रांस की यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर अहंकार में आकर बोला, मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आदमी हूं। किसी ने पूछ लिया- यह कैसे? उसने कहा, प्रांस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है। पेरिस प्रांस का सर्वश्रेष्ठ नगर और हमारा विश्वविद्यालय हमारे नगर का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र। दर्शन का विभाग उसमें सर्वश्रेष्ठ। मैं उसका अध्यक्ष। इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ आदमी। यह कैसा गणित है! हमारी दृष्टि जब दूसरों की ओर जाती है तो यही निष्कर्ष निकलता है कि हम दूसरों को काटते जाते हैं, तोड़ते जाते हैं और दूसरों के संदर्भ में हम अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठापित करते जाते हैं। इसके अतिरिक्त कोई निष्कर्ष निकलता ही नहीं है। जब स्व-दर्शन में आदमी आता है तो उसे अनुभव होता है कि न प्रांस सर्वश्रेष्ठ, न पेरिस सर्वश्रेष्ठ, न विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ, न दर्शन का विभाग सर्वश्रेष्ठ और न विभागाध्यक्ष। सब समान है। सब व्यक्ति समान, सब देश समान, सब राष्ट्र समान और सब आत्माएं समान। जो समता के क्षण में जाता है, उसे यह नहीं लगता कि यह अलग, वह अलग। उसे लगता है कि सब मेरे-जैसे हैं। यह समान ही समान का गणित ऐसा चलता है कि अनन्त में से अनंत निकालो तो भी पीछे अनन्त ही रहेगा। अनन्त में अनन्त मिलाओ तो भी अनन्त ही रहेगा। समता में मिलाते जाओ, निष्कर्ष समता। यह समता की अनुभूति जब जागती है, तब एक विचित्र अनुभव होता है। उसे जगाने का जो सूत्र है, वह मनोबल को जगाने का परम सूत्र होता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मानवीयता: सलाखों के पीछे इमरान और शहबाज शरीफ के हवाई सपने



दिलीप कुमार पाठक

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान, जो कभी पाकिस्तान का सबसे लोकप्रिय चेहरा हुआ करते थे और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाक का प्रतिनिधित्व करते थे, आज जेल की तन्हाई में अपनी जिंदगी की गुहार लगा रहे हैं। अदियाला जेल की चारदीवारी से आए उनके संदेश ने पूरे पाकिस्तान को बेनकाब करने के साथ-साथ मानवता को भी झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने आशंका जताई है कि जिस तरह के हालात में उन्हें रखा गया है और जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं, उससे उनका जिंदा वापस लौट पाना मुश्किल है। पाकिस्तान की राजनीति के इस खौफनाक सच के ठीक उलट, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ देश और दुनिया को यह सपना दिखा रहे हैं कि पाकिस्तान जल्द ही दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने वाला है।

हाल ही में पाकिस्तान के मिनरल्स इन्वेस्टमेंट फोरम में बोलते हुए पीएम शहबाज शरीफ ने एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि गोल्डमैन सैक्स की एक पुरानी रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान साल 2075 तक दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, लेकिन वे इसमें थोड़ा सुधार करना चाहते हैं। मियां शहबाज के मुताबिक, यह चमत्कार 2075 तक नहीं बल्कि साल 2050 से भी पहले हो जाएगा।

अब इन दावों की हकीकत की पड़ताल करते हैं तो कुछ और ही सच सामने आता है। 130 अरब डॉलर से ज्यादा के विदेशी कर्ज के बोझ तले दबे और आईएमएफ तथा चीन की बैसाखियों पर टिके रहने वाले जिस देश का विदेशी मुद्रा भंडार हर दूसरे दिन सुर्खियों में रहता हो, वहां 2050 तक दुनिया की शीर्ष छह अर्थव्यवस्था बनने का सपना देखना सिर्फ एक छलावा ही है। जिस मुल्क में रोजमर्रा की बुनियादी चीजें दुर्लभ हो चुकी हों और महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ रखी हो, वहां इस तरह के हवाई किले बनाने पर खुद देश-दुनिया के विशेषज्ञ सवाल उठा रहे हैं कि क्या तब तक पाकिस्तान नाम का वजूद बचेगा भी या नहीं?

यह भी किसी से छिपा नहीं है कि पड़ोसी देश की इस खस्ताहाली के पीछे असल खेल किसका है। पाकिस्तान के कॉर्पोरेट दिग्गजों, बड़े ब्यूरोक्रेट्स और सियासतदानों ने मिलकर इस पूरी अर्थव्यवस्था को अंदर से खोखला कर दिया है। पाकिस्तान की जनता महंगाई की चक्की में पिसती है, और हुक्मरान लूट का काला धन ठिकाने लगाकर लंदन और दुबई में अपने बच्चों के नाम पर आलीशान फ्लैट और बंगले खरीद चुके हैं। वे अच्छी तरह जानते हैं कि जिस दिन वहाँ की अवाम का सब्र टूटेगा, ये सबसे पहले देश छोड़कर भाग खड़े होंगे। लेकिन अब हालात तेजी से बदल रहे हैं।

इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस दौर में वहां की युवा पीढ़ी के सामने सेना और हुकूमत का गढ़ा हुआ पुराना प्रोपोगंडा बेनकाब हो चुका है। आज पाकिस्तान का युवा न्यूट्रल इतिहास खंगाल रहा है और यह सच जान रहा है कि कैसे चंद लोगों ने अपनी तिजोरियों के लिए पूरे देश को कर्ज के दलदल में धकेल दिया है।

इमरान खान के साथ जिस तरह का क्रूरता की जा रही है और मानवीय संवेदनाओं को ताक पर रखा जा रहा है, वह पाकिस्तान की अंदरूनी सड़न को पूरी तरह उजागर करता है। अगर जेल के भीतर कुप्रबंध या प्रताड़ना के चलते इमरान खान को कुछ हो गया, तो यह पाकिस्तान की जर्जर होती व्यवस्था और तानाशाही के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी। फिर दुनिया की छठी अर्थव्यवस्था बनने के हवाई दावे तो दूर, पाकिस्तान खुद ही बिखर जाएगा। जनता के भीतर सुलगती यह विद्रोही आग एक न एक दिन फटेगी जरूर, और तब इन सत्ता के ठेकेदारों का क्या होगा, यह वक्त तय करेगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पर्व का एक ही मकसद भाईचारा और ईश्वर पर विश्वास रखना है



संजय गोस्वामी

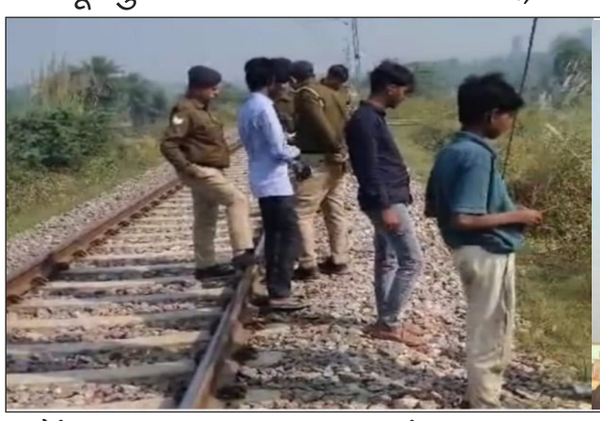
हर पर्व का एक ही मकसद है आपसी भाईचारा व आपस में प्रेम और ईश्वर पर श्रद्धा रखना लेकिन यह भी देखने को मिलता बढ़िया से बढ़िया करने की होड़ ताकि मेरा बाहबाही हो सके और मेरा पताका लहरे आप भगवान राम से सीखें जिसके राज़ पाठ की तैयारी हो रही है उसे 14 वर्ष के वनवास मिलता है जिसे वो पिताजी ही नहीं माता कैकई का भी आदेश समझते हैं अपनी इक्छा त्याग कर दि और 14 वर्ष के वनवास के लिए चल दिए साथ आई माता सीता और भ्राता लक्ष्मण जिसे उसकी आज्ञा नहीं मिली लेकिन उन्होंने उन्हें दिलासा या रोने से अच्छा साथ चलना तय किया, इससे आपको यह सीख मिलती है कि आप किसी के दुःख में साथ चलकर ही आपकी असली परीक्षा होती है आजकल लोग इतना परेशान क्यों हैं किसी पर आफत आई तो मोबाइल या व्हाट्सप्प से दुःख जाता दिया लेकिन उसके साथ नहीं गए मान लीजिये आपके सामने कोई एक्सीडेंट से गिर गया और खून निकल रहा है तो आप उसके परिवार से बात कर और उसे गुस्सा दिलाएंगे इसलिए आपको तुरंत पहले उसे किसी नजदीकी अस्पताल में भर्ती करना चाहिए जो आप करेंगे तो उसका भला होगा, अधिकांश लोगों में याद करें कोई आखिर प्रेम एक दूसरे से टूटता क्यों है इसका सबसे बड़ा कारण आशा, आशा के अनुरूप आपका हक़ नहीं मिला तो निराशा हो जाता है मान लीजिये किसी ने पूर्ण कॉन्फिडेंस से कहा आपको लड़का ही होगा और लड़की हुई आप निराश हो गए फिर लोगों का ताना ऐसे लोगों से संपर्क काट दीजिये, भगवान राम का ध्यान कीजिये शांति मिलेगी आखिर अयोध्या में कितने लोग थे कोई और क्यों नहीं गया क्योंकि लोगों को मालूम ही नहीं था भगवान विष्णु ने रावण का संहार करने के लिए मनुष्य के रूप में जन्म लिया है जब भी पृथ्वी पर संकट आया तो ब्रम्हा, विष्णु, महेश आपस में एक जुट हुए और भगवान विष्णु बुद्धि में काफी चतुर थे जब रावण के अधर्म से सभी साधु संत, हवन पूजा पाठ नहीं कर पा रहे थे रावण का संहार करने के लिए भगवान विष्णु ने ही कहा मैं राजा दशरथ के घर में आम मनुष्य की तरह राम के रूप में जन्म लूंगा और उसका संहार करूँगा क्योंकि रावण मनुष्य को तुकक्ष समझकर उसे इतना कमजोर समझ लिया कि उसका संहार वो कर नहीं सकता है और ये ही भूल उसके मौत का कारण बनेगी और धर्म की स्थापना होंगी अतः उन्होंने ही राम के रूप में जन्म लिया और अंत में उसका संहार किया इसलिए धर्म है तभी किसी को परेशान करने की सज़ा बीमारी के रूप में मिलती है लोग क्या कहेंगे उस बात को ध्यान ना डो आज वर्ष 2026 चल रहा है उससे पहले भी हजारों वर्ष होंगे और आप औसतन 75-85 वर्ष ही जी पाते है इसलिए जब उम्र 50-55 का हो तो भगवान राम को जानने की कोशिश कीजिये क्योंकि उसे पाने के लिए भी आपको 20-25 साल लग जायेंगे और यदि आप उस समय नहीं ध्यान दिए तो अंत में इतना समय नहीं होगा कि राम का भी सही से उच्चारण होगा मरते दम तक आदमी यही सोचता है अभी और जियेंगे लेकिन हकीकत उसकी उलटी है माया से आपके आँखों पर पट्टी बँधी है इसलिए अब तो अपनी आँखे खोलो और अपना भविष्य खुद तय करो।

आप सोचते हैं जिस संकट सै शायद आप मैं गुजरा है दूरसा रहता तो भाग जाता, किसी निवास स्थान पर सिलिंडर में आग लगा लोग यही सोचते हैं मुझे फ्रीज़ टी वी, पलंग, आदि भौतिक वस्तु की चिंता है और उसमें आपका विवेक शून्य हो जाता है और बुझाने के चक्कर में आप इतना भी नहीं सोचते आग है इससे खेल नहीं करना चाहिए देवता है प्रणाम कर बाहर निकल जायेंगे तो बच जायेंगे एक उम्र 50-55 के बाद तनाव मत लो नार्मल की तरह काम करो क्योंकि आपको आगे दूसरी और समस्या आएगी और वों शायद ज्यादा जरुरी होगा एक आदमी लगभग इसी उम्र में किसी सरकारी कार्यलय में पदोन्नति हेतु 2महीने की छुट्टी ले लिया और मैं पूछा उससे क्या होगा प्रमोशन होगा पैसा बढ़ेगा भाई साहब अब पैसा बढ़ भी गया तो क्या होगा, तुरंत कहा बच्चे के लिए काम आएगा मैंने पूछा आपका बच्चा कितना प्रेम करता है बोला नहीं सब अपने मन का है मैंने बोला भाई तनाव होगा नींद नहीं आएगी और दुनिया इतनी बेबकूफ नहीं है कि आपको आसानी से यह मिल जाएगा अतः भगवान राम का ध्यान करो बच्चों को भी संस्कार डो देखो राम कैसे आपका तकदीर बदल देगा क्योंकि वही एक परमात्मा है जिसने मर्यादा का पालन करना और अन्याय के खिलाफ लड़ेगा डरने नहीं देगाआपकी सबसे बड़ी कमजोरी है डर जो या तो डाकियानुसी सोच के कारण है या फिर गन्दे और घटिया वातावरण के कारण है भगवान इतना देगा कि आप ले नहीं सकोगे वों थोड़ा सा ज्यादा के लिए आपको नाको चना चबाने पर मजबूर कर देगा और यदि 1परसेंट भी चांस नहीं होने का होगा तो आप पर क्या बीतेगी इसलिए आप शांति से सामान्य काम करते हुए लोककल्याण हेतु अपना समय दे अधिकतर समय माता पिताजी की सेवा में लगा दे क्योंकि यही एक सही अवसर है जिसमें आप उनकी सेवा कर रहे होंगे प्रमोशन उस तरह नहीं जब माता का भंडारा लगता है सब माँ का भजन कीर्तन करते हैं जब प्रसाद खाना होता है तो माँ ये नहीं देखती यह खुब भजन किया हैं इसलिए ये ज्यादा खायेगा और जब कुछ भी नहीं बोला वों कुछ नहीं खायेगा अतः वहाँ सच्चा ईश्वर है जो किसी से भेदभाव नहीं करता है और यदि किसी के जिहजूरी से मिल भी गया तो अहसान लेने की क्या जरुरत है आप स्लीपर में बैठते हो तो कोई ये नहीं पूछता है की आप एस1 में हो या एस-12 बौगी में या आगे सिट है या पीछे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता, इसलिए सोच को बदलो समय के साथ चलो और उतना ही करो जितना कर सकते हो दूसरे को भी करने का मौका डो भले ही किसी ने पैर फैलाकर बैठ कर फेल कर दिया क्योंकि वो समय तुम्हारा नहीं था जब समय का पहिया घूमेगा तो उसे भी कभी इसी समस्या से जूझना पड़ेगा जब अस्पताल में अपने जीवन का अंतिम समय नजदीक आएगा इसलिए चिंता अब तुम्हे नहीं अब उसे काटने की जरुरत क्योंकि काल आज ना कल उसके पास आएगा.आखिर रावण क्यों मारा गया क्योंकि दूसरे की बात में आकर अपने विवेक से काम नहीं लिया जो बहन सूर्पनखा ने कहा उसी पर विचार कर अधर्म का सबसे बुरा मार्ग पर चल कर विवेक खो दिया,एक दिन, ऋषि विश्वामित्र दशरथ के पास आते हैं और उनसे कहते हैं कि वे राम को अपने साथ ले जाना चाहते हैं, ताकि एक यज्ञ के दौरान उनकी सुरक्षा की जा सके। राम को 14 वर्ष का वनवास से राजा दशरथ का मन अत्यंत दुखी हो जाता है, वे अपने पुत्र शोक में दुःखी होकर प्राण त्याग देते हैं लेकिन वो राम के साथ लक्ष्मण को भी भेज देते हैं। राम के साथ यात्रा करते हुए, विश्वामित्र उन्हें ताड़का नाम की एक राक्षसी की कहानी सुनाते हैं, जो यात्रियों को खा जाने की धमकी देती है। विश्वामित्र राम को उस राक्षसी का वध करने का निर्देश देते हैं। राम ऐसा ही करते हैं, और देवता विश्वामित्र से कहते हैं कि वे राम को अस्त्र-शस्त्रों का ज्ञान दें। यज्ञ स्थल पर पहुँचने से पहले, विश्वामित्र लड़कों को कई और कहानियाँ सुनाते हैं। जब ऋषि-मुनि यज्ञ शुरू करते हैं, तो राम उन्हें सुरक्षा का आश्वासन देते हैं और अपने धनुष से वहाँ आए राक्षसों पर बाण चलाते हैं। इसके बाद, विश्वामित्र लड़कों को मिथिला नगरी ले जाते हैं। जब वे नगर में प्रवेश करते हैं, तो राम की नज़र बालकनी में खड़ी एक सुंदर युवती, सीता पर पड़ती है, जिसे देखते ही उससे प्रेम हो जाता है। अगले दिन, राम की भेंट राजा जनक से होती है। जब जनक राम को देखते हैं, तो उन्हें अफ़सोस होता है कि राम उनकी बेटी से विवाह नहीं कर सकते। इसलिए, वे एक शर्त रखते हैं कि जो भी उनकी पुत्री से विवाह करना चाहता है, उसे भगवान शिव के विशाल धनुष को उठाना होगा और उस पर प्रत्यंचा (डोरी) चढ़ानी होगी। विश्वामित्र पूछते हैं कि क्या राम उस धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाने का प्रयास कर सकते हैं। राम न केवल धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाते हैं, बल्कि उसे तोड़ भी देते हैं। एक दासी सीता को यह बात बताती है, और यह जानकर कि राम ने उन्हें जीत लिया है, सीता अत्यंत प्रसन्न हो जाती हैं। जनक, दशरथ को मिथिला में होने वाले विवाह समारोह में आमंत्रित करते हैं। समारोह के बाद, वे कोसल राज्य की राजधानी अयोध्या लौट आते हैं। देवदत्त पटनायक कहते हैं, सीता इसलिए घरेलू और पतिव्रता हैं क्योंकि राम उन पर ध्यान देते हैं। ताड़का इसलिए उग्र स्वभाव की हैं क्योंकि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है और उनका किसी एक पुरुष से कोई संबंध नहीं है। ठीक वैसे ही, जैसे खेत को संभालने की पूरी जिम्मेदारी किसान पर होती है।

राम और सीता के विवाह के बारह वर्ष बीत जाने पर, दशरथ राम का राज्याभिषेक करने की इच्छा व्यक्त करते हैं। इस महत्वपूर्ण घटना की पूर्व संध्या पर, कैकेयी उन दो वरदानों की मांग करती हैं, जो दशरथ ने उन्हें बहुत पहले देने का वचन दिया था। वह मांग करती हैं कि राम को चौदह वर्षों के लिए वनवास भेज दिया जाए और उनके पुत्र को राज्य का उत्तराधिकारी बनाया जाए। राम अपने पिता के इस कठिन निर्णय को अत्यंत संयम और धैर्य के साथ स्वीकार कर लेते हैं; यह उनके नैतिक चरित्र को दर्शाता है, जो पूरी कथा में बना रहता है। उनके साथ सीता और लक्ष्मण भी चल पड़ते हैं। जब राम, सीता से उनके साथ न आने के लिए कहते हैं, तो वह उत्तर देती हैं, जिस वन में आप रहेंगे, वही मेरे लिए अयोध्या है; और आपके बिना अयोध्या मेरे लिए किसी नर्क से कम नहीं है। रामायण, जो महाभारत के साथ प्राचीन भारत के दो प्रमुख महाकाव्यों में से एक है, हिंदू इतिहास (पौराणिक गाथा) का हिस्सा है। इसकी कथा में राम का सीता और लक्ष्मण के साथ वनों में भ्रमण करना, रावण (लंका के दुष्ट राजा) द्वारा सीता का अपहरण, जिसके परिणामस्वरूप युद्ध हुआ, और अंत में राम का अयोध्या लौटना शामिल है।राम, लक्ष्मण और सीता अयोध्या से बहुत दूर चले जाते हैं ताकि लोग उन्हें वापस लौटने के लिए मनाने न आएं। वहां उनकी भेंट जटायु से होती है, जो एक विशाल गिद्ध और दशरथ के मित्र थे। वे राम को वचन देते हैं कि जब तक वे वनवास से वापस नहीं लौट आते, तब तक वे उनकी रक्षा करेंगे। एक दिन, राम देखते हैं कि एक सुंदर स्त्री (जो वास्तव में रावण की बहन शूर्पणखा है, जिसने भेष बदल रखा है) उनके निवास स्थान की ओर आ रही है। वह राम को रिझाने और उनसे विवाह करने का प्रयास करती है, लेकिन राम उसे अस्वीकार कर देते हैं। शूर्पणखा ने रात बहुत पीड़ा में बिताई और अगली सुबह उसने तय किया कि अगर वह सीता को मार दे, तो राम उससे प्रेम करने लगेंगे। अगले दिन जब राम अपने निवास (पंचवटी के जंगल) से बाहर गए, तो शूर्पणखा ने सीता का पीछा किया और उन पर झपट पड़ी। लक्ष्मण ने सीता को बचाया और शूर्पणखा की नाक काट दी। अपमानित और लज्जित होकर, शूर्पणखा रावण के दरबार में पहुँची और उसे पूरी घटना बताई। उसने रावण से कहा कि सीता अत्यंत सुंदर हैं और उसे सीता को अपने लिए ले आना चाहिए और रावण ने उसकी बात को मानकर बिना सोचें समझें उसी रास्ते पर चल दिया जो उसके विनाश का कारण बना, और अधर्म के रास्ते पर चल दिया और अपनी शक्ति धीरे धीरे खोने लगा और भगवान राम के हाथों मारा गया और धर्म की स्थापना हुई धर्म नियम विवेक और न्याय पर टीका है जबकी अधर्म दुराचार, कट्टरता अन्याय से किसी एक के द्वारा बांधा जाता है जिसमें अन्याय करने पर भी सज़ा नहीं मिलती है इसलिए भगवान राम ने रावण को मारकर धर्म की स्थापना की राम पहले भी था आज भी है और अनन्त काल तक रहेगा।

मालगाड़ी की चपेट में आने से किसान की दर्दनाक मौत

मजदूर बुलाने घर से निकले थे रुपचंद्र, पांच मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया





बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में मालगाड़ी की चपेट में आने से 32 वर्षीय किसान की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा बरेली-अलीगढ़ रेलवे ट्रैक पर सुबह करीब 11:30 बजे हुआ। किसान अपने दो बीघा खेत में खड़ी उड़द की फसल कटवाने के लिए मजदूर बुलाने घर से निकला था। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।

जानकारी के अनुसार बनियाठेर थाना क्षेत्र के गांव पहलादपुर निवासी रुपचंद्र कुमार (32) मंगलवार सुबह करीब नौ बजे अपने घर से मजदूर बुलाने के लिए निकले थे। उन्हें अपने खेत में खड़ी उड़द की फसल की कटाई करानी थी। इसी दौरान बरेली-अलीगढ़ रेलवे ट्रैक पार करते समय वह अचानक मालगाड़ी की चपेट में आ गए। ट्रेन की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मालगाड़ी के पायलट ने पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही जीआरपी और बहजोई थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद मृतक की पहचान रुपचंद्र कुमार के रूप में हो सकी। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी।

उधर, किसान की मौत की खबर जैसे ही गांव और परिवार तक पहुंची तो घर में कोहराम मच गया। पत्नी लक्ष्मी का रो-रोकर बुरा हाल है। रुपचंद्र अपने पीछे पांच छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। इनमें चार बेटियां अंजली (12), नीतू (10), निधि (7), खुशबू (5) और तीन वर्षीय बेटा मानु शामिल हैं। परिवार की जिम्मेदारी संभालने वाले रुपचंद्र की अचानक मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में भी शोक का माहौल है।

बहजोई थाना प्रभारी राजीव कुमार मलिक ने बताया कि मालगाड़ी की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत होने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। मामले में अभी तक कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

यातायात पुलिस ने छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति किया जागरूक



सम्भल(सब का सपना):- जनपद में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में संचालित यातायात माह नवम्बर के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान हिन्द कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स, एमजीएम कॉलेज एवं शंकर भूषण इंटर कॉलेज सम्भल में छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करना चाहिए तथा चारपहिया वाहन में सफर करते समय सीट बेल्ट जरूर लगानी चाहिए। इसके अलावा निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने और नशे की हालत में कभी भी वाहन न चलाने की सलाह दी गई। पुलिसकर्मियों ने छात्र-छात्राओं को सड़क पर चलते समय यातायात संकेतों और नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों और उनसे बचाव के उपायों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यातायात नियम केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं और दूसरों के जीवन की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। छोटी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

कार्यक्रम में युवाओं को विशेष रूप से जागरूक करते हुए कहा गया कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिवार, रिश्तेदारों तथा समाज के अन्य लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। यातायात माह के तहत आयोजित इस अभियान का उद्देश्य लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना है।

16 दिसंबर तक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और आपत्तियां दर्ज कराने का मौका

चार जनवरी को होगा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन





बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 की शुरूआत हो गई है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी दिशा-निदेर्शों और पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी गई। इस दौरान राजनीतिक दलों से पुनरीक्षण कार्य को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने के लिए 17 नवंबर से 16 दिसंबर 2026 तक का समय निर्धारित किया गया है।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह ने बताया कि एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के पात्र होंगे। इसके साथ ही एक अप्रैल एक जुलाई और एक अक्टूबर 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी फार्म-6 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन 17 नवंबर को कर दिया गया है। नागरिक अपने मतदान केंद्र पर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी के पास तहसील कार्यालय स्थित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय तथा जिला निर्वाचन कार्यालय में मतदाता सूची का निःशुल्क निरीक्षण कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में पहले मतदेय स्थलों की संख्या 1862 थी जो अब घटकर 1847 रह गई है। वर्तमान में जिले में कुल 952 मतदान केंद्र हैं। जनपद में कुल 14 लाख 13 हजार 608 मतदाता दर्ज हैं। इनमें 7 लाख 74 हजार 484 पुरुष मतदाता 6 लाख 39 हजार 58 महिला मतदाता और 66 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। आंशिक बिलारी विधानसभा क्षेत्र सहित यह मतदाताओं की कुल संख्या है। वर्तमान में जिले का ईपी रेशियो 49.10 और जेंडर रेशियो 825 है।विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत मतदाताओं की सुविधा के लिए चार विशेष अभियान तिथियां भी निर्धारित की गई हैं। इनमें 21 नवंबर शनिवार 22 नवंबर रविवार 28 नवंबर शनिवार और 29 नवंबर रविवार शामिल हैं। इन विशेष अभियान दिनों में संबंधित मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों के साथ पदाभिहित अधिकारी और पर्यवेक्षक भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदन और नामों में संशोधन या अन्य आपत्तियों से संबंधित दावे प्राप्त किए जाएंगे।जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित खण्डेलवाल ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति सुनिश्चित करें।

बीएलए की नियुक्ति के बाद बीएलओ और बीएलए की बैठक कराई जाए ताकि मतदाता सूची का ठीक से परीक्षण किया जा सके। यदि किसी मतदाता का नाम छूट गया है या सूची में कोई त्रुटि दिखाई देती है तो इसकी जानकारी संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि बीएलए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए पुनरीक्षण कार्य में सक्रिय सहयोग करें जिससे कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।उन्होंने बताया कि आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 16 दिसंबर तक प्राप्त होने वाले दावे और आपत्तियों का नियमानुसार परीक्षण कर 28 दिसंबर 2026 तक निस्तारण किया जाएगा। इसके बाद चार जनवरी 2027 को अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया जाएगा। बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की समस्याएं और सुझाव भी सुने गए।इस अवसर पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आंशिक बिलारी चन्दौसी असमोली सम्भल और गुन्नौर विधानसभा क्षेत्रों की प्रकाशित आलेख्य निर्वाचक नामावलियों की एक-एक प्रति उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही 10 अप्रैल 2026 को हुए अंतिम प्रकाशन के बाद तैयार पूरक सूचियों के भाग दो तीन और चार की प्रतियां भी दी गईं।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह उप जिलाधिकारी सम्भल विकास चन्द्र उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार उप जिलाधिकारी चन्दौसी आशुतोष तिवारी और डिप्टी कलक्टर नीरज कुमार द्विवेदी मौजूद रहे। इसके अलावा भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोहम्मद आरिफ आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष सचिन कुमार सपा जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार भाजपा जिला मंत्री अवधेश प्रताप सिंह और बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि चेतन कुमार बॉबी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू परिषद ने श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गोपाष्टमी

चामुंडा मंदिर स्थित गौशाला में हुआ गौमाता का विधिवत पूजन, गौसेवा और संरक्षण का लिया संकल्प





संभल(सब का सपना):- विश्व हिंदू परिषद के तत्वावधान में सोमवार को चामुंडा मंदिर स्थित गौशाला में गोपाष्टमी का पावन पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान गौमाता का विधिवत पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि की कामना की गई।

कार्यक्रम का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद की जिला संयोजिका दीपा वार्ष्णेय ने किया। सुबह से ही गौशाला में कार्यक्रम की तैयारियां शुरू हो गई थीं। गौशाला को फूलों और रंगोली से सजाया गया। इसके बाद गौमाता को तिलक लगाकर और माला पहनाकर गुड़, चना, हरा चारा व फल खिलाए गए। सभी ने गौमाता की परिक्रमा कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर जिला संयोजिका दीपा वार्ष्णेय ने कहा कि सनातन संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। गौसेवा केवल धार्मिक कर्तव्य ही नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है। गोपाष्टमी का पर्व हमें गौमाता की रक्षा, सेवा और संरक्षण का संकल्प दिलाता है। उन्होंने सभी से अपने जीवन में गौसेवा को स्थान देने की अपील की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने गौसेवा एवं संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गौशालाओं को मजबूत बनाने और निराश्रित गोवंश की देखभाल करने का आह्वान किया। साथ ही लोगों से अपील की गई कि गायों को प्लास्टिक न खिलाएं और उनके संरक्षण में सहयोग करें।

इस मौके पर जिला सह मंत्री विष्णु कुमार गुप्ता, रिचा रोविन, वर्षा, छाया सहित विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और दुर्गा वाहिनी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने गौसेवा और संरक्षण का संकल्प लिया। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

चोरी के चार मोबाइल फोन के साथ युवक गिरफ्तार

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुन्नौर थाना पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस टीम ने चोरी के मोबाइल फोन के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से ओप्पो पोको वीवो और सैमसंग कंपनी के चार मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार 16 नवंबर को गुन्नौर थाना पुलिस की टीम रात में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी के मोबाइल फोन के साथ एक युवक कस्बा गुन्नौर में सरकारी पानी की टंकी के सामने मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और युवक को



पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी की पहचान श्रीनिवास पुत्र कन्हई लाल निवासी मोहल्ला सराय थाना गुन्नौर जनपद सम्भल के रूप में हुई।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से ओप्पो कंपनी का एक मोबाइल फोन पोको कंपनी का एक मोबाइल फोन वीवो कंपनी का एक मोबाइल फोन और सैमसंग कंपनी का एक मोबाइल फोन बरामद किया।

बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर पुलिस ने गुन्नौर थाने में बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना गुन्नौर के उपनिरीक्षक दीपक कुमार के साथ अभिषेक कुमार विशाल कुमार और कुनाल कुमार शामिल रहे। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की है।

विद्यार्थियों को पढ़ाया कानून और अधिकारों का पाठ, BNS, BNSS व BSA की दी जानकारी



अमरोहा (सब का सपना):- जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा के तत्वावधान में मंगलवार को सचिव /जज साहब अभिषेक कुमार व्यास (CJSD) के निदेर्शानुसार एम.एस. पब्लिक इंटर कॉलेज, शिवनगर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नए आपराधिक कानूनों, मौलिक अधिकारों, बाल संरक्षण एवं निःशुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में अधिकार मित्र महेश सिंह ने भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) के महत्व और प्रावधानों को सरल भाषा में समझाया।

उन्होंने बताया कि ये तीनों कानून अपराध, आपराधिक प्रक्रिया एवं साक्ष्यों से संबंधित न्याय व्यवस्था का आधार हैं।

वहीं अधिकार मित्र लोकमान सिंह ने विद्यार्थियों को संविधान के मौलिक अधिकारों, समानता, स्वतंत्रता, शिक्षा के अधिकार एवं बाल संरक्षण से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानून की जानकारी प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक है, ताकि वे अपने अधिकारों को समझ सकें और किसी भी अन्याय के विरुद्ध उचित कदम उठा सकें।इस दौरान विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक विजन निर्धारित करने, लक्ष्य चयन करने और शिक्षा के माध्यम से अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पात्र व्यक्तियों को उपलब्ध कराई जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में अधिकार मित्र लोकमान सिंह, महेश सिंह, परवीन सिंह, प्रीति, मोनिका देवी,रामनिवास सिंह, कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगण सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को जागरूक, जिम्मेदार एवं कानून का सम्मान करने वाला नागरिक बनने का संदेश दिया गया।

शर्मा देवी कन्या इण्टर कॉलेज में स्काउट-गाइड त्रिदिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- शर्मा देवी कन्या इण्टर कॉलेज में स्काउट एवं गाइड का त्रिदिवसीय प्रशिक्षण शिविर उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कुशल प्रशिक्षिका संगीता बिश्नोई ने छात्राओं को स्काउट-गाइड के मूल सिद्धांत, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, ध्वज शिष्टाचार, गांठ बांधने की विधियां, टेंट निर्माण, प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन, स्वच्छता और सामूहिक कार्यों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। छात्राओं को विषम परिस्थितियों में धैर्य, साहस और सूझबूझ से स्वयं तथा दूसरों की सहायता करने की शिक्षा भी दी गई। विभिन्न टोलियों में विभाजित छात्राओं ने आकर्षक टेंट लगाए और अपनी रचनात्मकता, कार्यकुशलता व टीम भावना का परिचय दिया। प्रशिक्षण से उनमें आत्मविश्वास, सहयोग, समयबद्धता, नेतृत्व क्षमता और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित हुई। शिविर के निरीक्षण हेतु प्रादेशिक उपाध्यक्ष डा. जी.पी. सिंह और जिला सचिव अनिल कुमार पहुंचे।

उन्होंने टेंटों की सजावट, व्यवस्था, स्वच्छता और छात्राओं की कार्यशैली की सराहना की तथा उत्साहवर्धन किया। प्रधानाचार्या चारू शर्मा ने कहा कि स्काउट-गाइड प्रशिक्षण व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। यह छात्राओं को वास्तविक परिस्थितियों का सामना करने, कठिनाइयों में धैर्य रखने और समाज-राष्ट्र के प्रति दायित्व समझने की प्रेरणा देता है। उन्होंने प्रशिक्षिका संगीता बिश्नोई तथा अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पुष्पा वर्मा, ममता अग्रवाल, जकिया, श्वेता, ममता दलेला, अमिता, आरोही, मीना, अरशिया, नीतू, सिदरा सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा और सफल आयोजन में सहयोग दिया।

तिगरी मेला-2026 को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए एसपी ने किया मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण

ड्यूटीरत पुलिसकर्मियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश, श्रद्धालुओं से की वार्ता





गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- तिगरी मेला-2026 को शांतिपूर्ण एवं सकुशल रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव ने मंगलवार को मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पेंटून पुल, गंगा घाटों, इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कंट्रोल रूम, मेला पुलिस कोतवाली, पार्किंग स्थलों, ड्रोन निगरानी प्रणाली, यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधन का बारीकी से जायजा लिया।

एसपी ने इंटीग्रेटेड सीसीटीवी कंट्रोल रूम में जाकर निगरानी व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा वहां तैनात पुलिसकर्मियों को कैमरों के माध्यम से भीड़ की गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखने, संदिग्ध व्यक्तियों व वस्तुओं पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मेला कंट्रोल रूम को चेक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बन सके। इसके बाद एसपी ने यातायात व्यवस्था का भी स्वयं मौके पर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुख्य मार्गों, बैरियरों, प्रवेश एवं निकास मार्गों पर तैनात पुलिसकर्मियों से बातचीत कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को यातायात में किसी प्रकार की असुविधा न हो। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को चेक कर ब्रीफ किया गया और निर्देशित किया गया कि वे शालीन व्यवहार, सतर्कता और समन्वय के साथ ड्यूटी करें तथा आकस्मिक स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान एसपी ने श्रद्धालुओं से वार्ता कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा व्यवस्थाओं के संबंध में जागरुक किया।

उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे सामंजस्य, सतर्कता एवं समर्पण की भावना से कार्य करते हुए तिगरी मेला-2026 को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सकुशल रूप से सम्पन्न कराएं।

मरीजों से पहले खुद ही बीमार हो गया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मटीपुरा, सब का सपना की पड़ताल में खुली बदहाली की पोल

प्रांगण में गंदगी और ऊंची घास, टूटा फर्श, जर्जर दरवाजे, गायब है मुख्य दरवाजा, प्रांगण में मिला शराब का खाली पव्वा





रहरा/अमरोहा (सब का सपना) :- जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी की ग्राम पंचायत मटीपुरा में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अब मरीजों का इलाज करने से पहले खुद ही बीमार हो गया है। स्वास्थ्य विभाग के दावों और कागजों में तो यह अस्पताल ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहा है, लेकिन हकीकत में यहां की तस्वीर कुछ और ही बयां कर रही है। सब का सपना की टीम ने जब मौके पर जाकर पड़ताल की तो अस्पताल की बदहाली की एक-एक परत खुलती चली गई।

सब का सपना की टीम जब मंगलवार को लगभग 11बजकर 30 मिनट पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मटीपुरा पहुंची तो सबसे पहले अस्पताल प्रांगण की हालत ने ही सब कुछ बयां कर दिया। पूरे प्रांगण में गंदगी पसरी हुई थी और ऊंची-ऊंची घास खड़ी थी। ऐसा लग रहा था जैसे यहां महीनों से साफ-सफाई हुई ही नहीं हो। अस्पताल परिसर में घुसते ही मरीजों को स्वच्छता की जगह गंदगी का सामना करना पड़ता है, जो खुद बीमारियों को न्योता दे रही है।

कुछ वर्ष पहले बनी बिल्डिंग भी हो गई अब जर्जर

पड़ताल में सामने आया कि कुछ वर्ष पूर्व ही बनी हुई बिल्डिंग का फर्श पूरी तरीके से टूट चुका है। दीवारों और फर्श की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि निर्माण के समय गुणवत्ता का कितना ध्यान रखा गया होगा। अस्पताल के दरवाजे जर्जर हो चुके हैं, कई जगह से टूटे हुए हैं। हैरानी की बात तो यह है कि अस्पताल का मुख्य दरवाजा ही गायब है। बिना मुख्य दरवाजे के अस्पताल खुले में पड़ा है, जहां कोई भी, कभी भी आ-जा सकता है।

स्टाफ के नाम पर सिर्फ एक कर्मचारी मिला मौजूद

अस्पताल में कुल चार लोगों का स्टाफ तैनात है, लेकिन सब का सपना की टीम को मौके पर केवल एक ही व्यक्ति विनीत पाराशर मौजूद मिले। जब उनसे बाकी स्टाफ के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि बाकी दो लोगों की ड्यूटी गंगा मेले में लगी हुई है, वहीं एएनएम ड्यूटी से नदारद मिलीं। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर गांव में किसी मरीज को अचानक इलाज की जरूरत पड़ जाए तो उसका इलाज कौन करेगा? एक कर्मचारी के भरोसे पूरा स्वास्थ्य केंद्र कैसे चल सकता है? ग्रामीणों को छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए भी दूर-दराज के अस्पतालों की ओर भागना पड़ता है।

प्रांगण में मिला शराब का खाली पव्वा

पड़ताल के दौरान जब टीम ने अस्पताल प्रांगण का जायजा लिया तो वहां एक खाली शराब का पव्वा भी पड़ा मिला। अस्पताल जैसे पवित्र स्थान पर शराब का पव्वा मिलना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इससे साफ जाहिर होता है कि रात के समय अस्पताल परिसर असामाजिक तत्वों का अड्डा बना हुआ है और इसकी देखरेख करने वाला कोई नहीं है।

खुद आंसू बहा रहा है अस्पताल

अब ऐसे में सवाल उठता है कि जो अस्पताल आम जनमानस को स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए बना हो, अब वह खुद अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है और चीख-चीख कर कह रहा है कि कोई हमारी भी सुध ले ले, लेकिन इसके बाद भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मटीपुरा की सुध लेने वाला शायद कोई नहीं है। आम जनमानस द्वारा दिए गए टैक्स के पैसे से बने इस अस्पताल की आखिर ऐसी दुर्दशा क्यों है? इसकी बबार्दी का जिम्मेदार कौन है? यह हाल कब तक चलता रहेगा? अब देखना होगा कि सब का सपना की पड़ताल के बाद जिम्मेदार अधिकारी जागते हैं या फिर सब कुछ यूं ही चलता रहेगा, या फिर व्यवस्था में कुछ बदलाव भी आएगा?

धनौरा में दुलीचंद गिहार बने भाजपा एसपी मोर्चा के जिलाध्यक्ष

पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल व सभासदों ने किया स्वागत



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा नगर पालिका परिषद कार्यालय में सोमवार की देर शाम दुलीचंद गिहार के भाजपा एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने सभासदों के साथ मिलकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने दुलीचंद गिहार को पुष्प गुच्छ देकर एवं मिठाई खिलाकर बधाइयां दी साथ ही उन्हें श्री राम दरबार का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।

बता दें कि समारोह के दौरान प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि दुलीचंद गिहार का नेतृत्व पार्टी संगठन को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा कि नई जिम्मेदारी से समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक विकास योजनाएं पहुंचाने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में राजू बादशाह, प्रत्यक्ष शर्मा, भोला अंसारी, विवेक ढिल्लों, राजा अहमद, राजेन्द्र जाटव और सतीश जाटव मौजूद रहे। नगर पालिका के सभासद और पार्टी कार्यकर्ता भी शामिल हुए। सभी ने गिहार को माला पहनाकर स्वागत किया। दुलीचंद गिहार ने सभी का आभार जताया। उन्होंने संगठन की नीतियों को लोगों तक पहुंचाने और जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाने का संकल्प लिया।

हसनपुर क्षेत्र में कहासुनी के दौरान मारपीट का मामला, मां और बेटी समेत चार घायल



हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में दो पक्षों में मामूली कहां सनी के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। जिसमें मां और बेटी समेत चार महिलाएं के घायल हो गईं। दोनों पक्षों की तरफ से थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की गई है।पुलिस का कहना है कि मामले में जांच पड़ताल कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

बता दें कि पूरा मामला हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के चक सतैड़ा गांव का है जहां मंगलवार को फावड़े को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। कहासुनी के बाद दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान दोनों तरफ से जमकर लाठी-डंडे चले।मारपीट में एक पक्ष से विमला और उनकी बेटी रूबी घायल हो गईं। दूसरे पक्ष से जसवंती की बेटियां राजेन्द्री और खुशबू को चोटें आईं। जिसके बाद दोनों पक्षों ने थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई।

पुलिस ने सभी घायलों को मेडिकल जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। मामले जानकारी के मुताबिक गांव निवासी कैलाश की पत्नी विमला और जगराम की पत्नी जसवंती के बीच फावड़े को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के लोग वहां पहुंच गए।घटना के बाद दोनों पक्ष कोतवाली पहुंचे और एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सरोहा ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर मिली है। घायलों को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है और मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

डिडौली क्षेत्र में फसल खराब करने की शिकायत करने पहुंची महिला के साथ मारपीट, तीन पर केस दर्ज



डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव में एक महिला की गेहूं की फसल खराब करने की शिकायत करने पर दबंगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी जिसमें महिला घायल हो गई। घायल महिला ने दबंगों के खिलाफ थाने तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की मांग की। इस मामले में पुलिस ने तीन सगे भाइयों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। बता दें कि पूरा मामला थाना क्षेत्र के गांव श्यामपुर का है जहां की निवासी महिला धर्मवती पत्नी नरेश की गांव निवासी कुछ दबंग लोगों ने गेहूं की फसल पर ट्रैक्टर चलाकर उसे खराब कर दिया। इस पर जब धर्मवती ने दबंगों के घर जाकर इसकी शिकायत की तो उन्होंने उसके साथ मारपीट की जिसमें धर्मावती घायल हो गई धर्मावती का आरोप है कि गांव निवासी तीन सगे भाइयों ने उसके साथ गाली गलौज की साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी है। पुलिस ने इस मामले में तीन सगे भाइयों पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।जानकारी के मुताबिक मंगलवार की सुबह श्यामपुर निवासी धर्मवती पत्नी नरेश डिडौली कोतवाली पहुंचीं। पुलिस को दी शिकायत में उन्होंने बताया कि उनके खेत में गेहूं की फसल बोई गई है। आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने ट्रैक्टर चलाकर खड़ी फसल नष्ट कर दी।धर्मवती के मुताबिक, फसल खराब होने की शिकायत करने वह गांव के तिलक, सुभाष और तारे सिंह के घर गई थीं। आरोप है कि तीनों भाइयों ने उनसे गाली-गलौज की। विरोध करने पर मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर घर से भगा दिया।घटना के बाद धर्मवती ने कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने उनकी शिकायत के आधार पर तीनों भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।डिडौली कोतवाली के एसएसआई नरेंद्र कुमार ने बताया कि महिला की शिकायत पर तीन भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

गजरौला क्षेत्र में बोलेरो कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, गंभीर रूप से घायल



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र में एक बोलेरो कार ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन घायल युवक को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां से उसे डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देने के बाद अमरोहा जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बता दें कि कोतवाली क्षेत्र के गांव कादराबाद में एक युवक नीतू पुत्र खचेडू सिंह निवासी गांव कादराबाद को बोलेरो कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें नीतू गंभीर रूप से घायल हो गया ।टक्कर लगते ही मौके पर स्थानीय लोगों एवं राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गई आनन-फानन में घायल नीतू को एंबुलेंस की मदद से गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां से डॉक्टर ने उसे प्राथमिक उपचार देने के बाद अमरोहा जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल नीतू ने बताया कि वह घर से गांव नंगलिया अड्डे पर दवाई लेने के लिए जा रहा था जैसे ही वह घर से चकनवाला रोड पर पहुंचा तो एक तेज रफ्तार बोलेरो कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गयाइस हादसे में नीतू की टांग की हड्डी फैक्चर हो गई। वहीं सूचना पाकर अस्पताल पहुंचे परिजनों ने कार चालक के खिलाफ पुलिस को शिकायती पत्र देने की बात कही है।

हसनपुर में आबकारी विभाग की छापेमारी, कंपोजिट शराब की दुकान में बन रही थी मिलावटी शराब, एक गिरफ्तार





हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के हसनपुर में सोमवार की देर शाम आबकारी विभाग द्वारा की गई छापेमारी के दौरान नगर स्थित कंपोजिट शराब की दुकान में बन रही मिलावटी शराब को पकड़ा गया। इस दौरान आबकारी टीम ने मौके से मिलावटी शराब और ब्रांडेड शराब की नकली पैकिंग में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री बरामद की और एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया। इस मामले में तीन लोगों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

बता दें कि हसनपुर में सोमवार देर शाम आबकारी विभाग ने रहरा अड्डा स्थित कंपोजिट शराब की दुकान पर छापा मारा। टीम ने मौके से मिलावटी शराब और ब्रांडेड शराब की नकली पैकिंग में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जब्त की। मामले में एक आरोपी गिरफ्तार हुआ और तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। जानकारी के मुताबिक आबकारी निरीक्षक रामकुमार यादव, मुरादाबाद के आबकारी निरीक्षक अमित कुमार, प्रवर्तन के नीरज सिंह, आबकारी सिपाही राजकुमार और अरुण कुमार पाल तथा महिला सिपाही सपना सोमवार शाम शराब की दुकानों की नियमित जांच कर रहे थे। टीम दुकान पर पहुंची तो अनधिकृत विक्रेता दिनकर त्यागी भागने लगा।इसके बाद टीम ने दुकान की तलाशी ली।तलाशी में इंपीरियल ब्लू की 375 एमएल की एक बोतल मिली, जिस पर क्यूआर कोड नहीं था। टीम को इंपीरियल ब्लू की 180 एमएल की 20 और 375 एमएल की एक खाली शीशी, रॉयल स्टैग की 180 एमएल की दो खाली शीशियां, अलग-अलग ब्रांड के ढक्कन और सील भी मिले।टीम ने एक लीटर शराब से भरी प्लास्टिक बोतल, पानी की खाली बोतल में रखी शराब और करीब 10 लीटर क्षमता वाला नारंगी रंग का प्लास्टिक कैंपर भी जब्त किया। दुकान के काउंटर से 55,730 रुपये नकद मिले।आबकारी विभाग के मुताबिक, पूछताछ में विक्रेता प्रदीप कुमार ने बताया कि वह कैंपर में रखी देसी शराब खाली शीशियों में भरकर, ढक्कन और सील लगाकर बेचता था। टीम ने प्रदीप कुमार को गिरफ्तार कर सामग्री सील कर दी। नकदी अनुज्ञापी की मां को सौंप दी गई। कोतवाली प्रभारी सत्येंद्र सरोहा ने बताया कि आबकारी निरीक्षक की शिकायत पर प्रदीप कुमार निवासी हिसखेड़ा, जितेंद्र पुत्र रामचरण निवासी कुम्हारान कोट पूर्वी और दिनकर त्यागी निवासी सोहत के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। दुकान सील कर दी गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा 2026 के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता गोष्ठी का आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- सड़क सुरक्षा पखवाड़ा (16 नवंबर से 30 नवंबर 2026) के अंतर्गत आज अमरोहा नगर स्थित जेएस हिंदू इंटर कॉलेज के सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई एवं स्काउट एंड गाइड्स के संयुक्त तत्वावधान में छात्र-छात्राओं के मध्य एक विशेष सड़क सुरक्षा जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन/प्रशासन) मनोज मिश्रा, सेफ ड्राइव रोड सेफ्टी फाउंडेशन के संस्थापक एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल कुमार जग्गा, यातायात पुलिस उपनिरीक्षक दिनेश कुमार, विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र पाल सिंह, एनएसएस प्रभारी डॉ. शिवशंकर यादव एवं हिंदी प्रवक्ता बृजेन्द्र शुक्ला सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य एवं सेफ ड्राइव रोड सेफ्टी फाउंडेशन के संस्थापक अनिल कुमार जग्गा ने विद्यार्थियों को ड्राइविंग रेगुलेशंस एवं रोड रेगुलेशंस की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने, नाबालिगों को वाहन न चलाने देने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग नहीं करने के संबंध में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक एवं सामाजिक दायित्व है। युवाओं की जागरूकता से सड़क दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सकती है। इसी क्रम में उप संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन/प्रशासन) मनोज मिश्रा ने विद्यार्थियों को गुड सेमेरिटन लॉ ((Good Samaritan Law) एवं राहवीर योजना के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता करने वाले नेक नागरिकों को कानून द्वारा संरक्षण एवं प्रोत्साहन प्रदान किया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए आगे आएं तथा मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दें। यातायात पुलिस उपनिरीक्षक दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों को रोड साइंस एवं ड्राइविंग रेगुलेशंस के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराते हुए यातायात संकेतों, सड़क चिह्नों, सुरक्षित सड़क व्यवहार एवं यातायात नियमों के महत्व को समझाया।

उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना किसी मजबूरी का नहीं, बल्कि स्वयं एवं दूसरों के जीवन की सुरक्षा का विषय है। विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र पाल सिंह ने इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रमों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक बनाने के लिए महत्वपूर्ण बताया। एनएसएस प्रभारी डॉ. शिवशंकर यादव एवं हिंदी प्रवक्ता बृजेन्द्र शुक्ला ने भी सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता पर बल दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल कुमार जग्गा ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं अतिथियों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई।

बार काउंसिल का बड़ा फैसला, राजेंद्र सिंह एडवोकेट का पंजीकरण दो साल के लिए निलंबित



बिजनौर (सब का सपना):- जिला बार एसोसिएशन बिजनौर के अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए राजेंद्र सिंह एडवोकेट का अधिवक्ता पंजीकरण दो वर्ष के लिए निलंबित कर दिया है। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे शेर सिंह एडवोकेट ने बार काउंसिल के इस फैसले को न्याय की जीत बताया है। शेर सिंह एडवोकेट के अनुसार, जिला बार एसोसिएशन के चुनाव के दौरान उनके नामांकन पत्र को कथित रूप से जबरन फाड़ दिया गया था। इसके अलावा चुनाव समिति को धमकाने तथा मतदान के दिन बाहरी लोगों के साथ पहुंचकर मतपत्र लूटने के गंभीर आरोप भी लगाए गए थे। शेर सिंह ने इन घटनाओं को लेकर उत्तर प्रदेश बार काउंसिल में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के बाद बार काउंसिल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए चुनाव प्रक्रिया निरस्त कर दी थी। अब राजेंद्र सिंह एडवोकेट का पंजीकरण दो वर्ष के लिए निलंबित किए जाने के फैसले से बार एसोसिएशन के चुनाव का विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। शेर सिंह एडवोकेट ने इसे न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण फैसला बताते हुए बार काउंसिल के प्रति आभार जताया।

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष में निकली दूसरी प्रभात फेरी



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- भारतवासियों की आस्था के प्रतीक श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के उपलक्ष में गुरुद्वारा संत सभा नगीना द्वारा प्रभात फेरियां निकाली जा रही हैं ' इसी क्रम में आज दूसरी प्रभात फेरी सभी संगतों के सहयोग से बहुत ही श्रद्धा के साथ निकाली गई। प्रभात फेरी में सभी संगत शब्द कीर्तन करते हुए चल रही थी। प्रभात फेरी गुरुद्वारा संत सभा नगीना से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए अम्बेडकर नगर स्थित विधायक मनोज पारस के निवास पर गई।

जहां विधायक मनोज पारस, नीलम पारस एवं सभी परिजनों द्वारा पुष्प वर्षा कर प्रभात फेरी का स्वागत किया गया। कार्यालय पर शब्द कीर्तन और अरदास के बाद सभी लोगों में मिष्ठान प्रसाद आदि का वितरण किया गया। वहां से चलकर प्रभातफेरी वापस गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर पूर्ण हुई। गुरुद्वारा साहिब पहुँचने पर प्रभात फेरी का स्वागत भाई दयाराम सिंह के परिवार द्वारा लंगर प्रसाद का वितरण कर किया गया।

प्रभातफेरी में मुख्य रूप से प्रधान गुरुद्वारा संत सभा नगीना सरदार केवल पाल सिंह ,गुरु घर के ज्ञानी भाई कृष्ण सिंह ,भाई तारा सिंह, मनमीत सिंह, जगप्रीत सिंह, विधायक मनोज पारस, नीलम पारस , बलविंदर सिंह, निशांत सिंह ,दीपक मल्होत्रा, हरदयाल सिंह सोढ़ी , मनोज टंडन, चंद्रपाल सिंह,प्रीति टंडन, दयाराम सिंह, राजकुमार सेठी, तिलक राज मठरेजा, घनश्याम मुटरेजा, अमित उर्फ काकू, रमिंदर कौर ,अवनीत कौर, अजीत कौर, पूजा चोपड़ा , कुलवंत कौर आदि अनेकों श्रद्धालु शामिल रहे।

पीड़ितों को न्याय दिलाना और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना प्राथमिकता:- एसडीएम जितेंद्र सिंह वीरवाल

जनसुनवाई को लेकर गंभीर रहेंगे नवागत एसडीएम, अवैध कॉलोनियों और अवैध खनन पर भी होगी कार्रवाई



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नवागत एसडीएम जितेंद्र सिंह वीरवाल ने कहा कि समाज की सबसे निचली पायदान पर खड़े पीड़ित व्यक्ति को न्याय दिलाना और शासन की मंशा के अनुरूप निष्पक्षता से कार्य करना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। जनसुनवाई के माध्यम से पीड़ितों की समस्याओं का त्वरित समाधान कराना उनकी कार्यशैली का हिस्सा होगा।

नगीना एसडीएम का कार्यभार ग्रहण करने के बाद मंगलवार को नवागत एसडीएम जितेंद्र सिंह वीरवाल ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि जनसुनवाई को प्राथमिकता देते हुए पीड़ितों की शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लिया जाएगा। उनका प्रयास रहेगा कि फरियादी अधिकारी से मिलकर जब अपने घर लौटे तो उसे यह एहसास हो कि उसकी समस्या को गंभीरता से सुना गया है और उसके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई केवल शिकायत प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि संबंधित अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर शिकायतों का शीघ्र निस्तारण कराने का प्रयास किया जाएगा। अवैध कॉलोनियों के संबंध में जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एक सवाल के जवाब में एसडीएम ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध खनन सहित किसी भी प्रकार के अवैध कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा। ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाना और आमजन का प्रशासन के प्रति विश्वास कायम करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।अंत में उन्होंने मीडिया कर्मियों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि जनहित से जुड़े मुद्दों पर मीडिया का सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने पत्रकारों को निष्पक्ष एवं सकारात्मक कार्यप्रणाली में सहयोग का आश्वासन भी दिया। उल्लेखनीय है कि नवागत जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने पूर्व एसडीएम विवेक कुमार का तबादला बिजनौर कर दिया है। उनके स्थान पर धामपुर के एसडीएम रहे जितेंद्र सिंह वीरवाल को नगीना का नया उपजिलाधिकारी नियुक्त किया गया है।

हमीदपुर में सड़क और जल निकासी की समस्या का जल्द होगा समाधान, PWD कराएगा सड़क निर्माण

पूर्व सांसद भारतेंद्र सिंह और शिक्षिका मीनाक्षी ने सैकड़ों ग्रामीणों के साथ डीएम से की मुलाकात, अधिकारियों ने दिया जल्द निर्माण का आश्वासन



बिजनौर (सब का सपनाः- जनपद के हमीदपुर गांव में सड़क और जल निकासी की समस्या को लेकर पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध जताने वाली शिक्षिका मीनाक्षी के मामले में अब समाधान की उम्मीद जगी है। गांव की समस्या को लेकर पूर्व सांसद भारतेंद्र सिंह और शिक्षिका मीनाक्षी ने सैकड़ों ग्रामीणों के साथ जिलाधिकारी तथा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशासी अभियंता से मुलाकात की। इस दौरान ग्रामीणों ने गांव में सड़क निर्माण और जल निकासी की समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए जल्द समाधान कराने की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि गांव के विवादित रास्ते का निर्माण जल्द कराया जाएगा।

इस मामले में खास बात यह है कि अब विवादित सड़क का निर्माण ग्राम पंचायत के बजाय लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा कराया जाएगा। जिलाधिकारी और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों से मिले आश्वासन के बाद ग्रामीणों में समस्या के समाधान की उम्मीद जगी है। यदि जल्द निर्माण कार्य शुरू होता है तो लंबे समय से सड़क और जल निकासी की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल सकेगी।

शादी समारोह में छेड़छाड़ के विरोध पर बवाल, दोनों पक्षों में जमकर चले लाठी-डंडे और पत्थर

बराती और घराती पक्ष के 12 लोग घायल, गंभीर घायलों को सीएचसी में कराया भर्ती; बवाल के बीच हुई दुल्हन की विदाई

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- ग्राम बघाला स्थित रुक्मिणी मैरिज हॉल में सोमवार शाम शादी समारोह के दौरान बराती और घराती पक्ष के बीच जमकर मारपीट और पथराव हो गया। विवाद में दोनों पक्षों के कुल 12 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा। वहीं, दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर मारपीट और छेड़छाड़ के आरोप लगाए गए हैं।जानकारी के अनुसार ग्राम भूरापुर निवासी जुल्फिकार की पुत्री का विवाह ग्राम हरगांव चांदन निवासी हारून के पुत्र के साथ तय हुआ था। सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे बारात रुक्मिणी मैरिज हॉल पहुंची थी। आरोप है कि इसी दौरान बराती पक्ष के कुछ युवकों ने वधू पक्ष की लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की।

इसका विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आक्रोशित बरातियों ने विवाह की व्यवस्था में लगे घरातियों पर हमला कर दिया। इसके बाद मौके पर जमकर लाठी-डंडे और ईंट-पत्थर चले। मारपीट और पथराव में वधू पक्ष के छह लोग घायल हो गए। इनमें भूरापुर निवासी जहीर अहमद (40) पुत्र मोहम्मद शरीफ तथा मंगोलपुर निवासी मोहम्मद मुस्लिम (40) पुत्र इनाम अली गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं।

दोनों को मजरूबी चिट्ठी के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। उधर, दूल्हा पक्ष के लोगों ने भी थाने पहुंचकर वधू पक्ष पर बारात के साथ आई लड़कियों से छेड़छाड़ करने तथा विरोध करने पर सड़क पर पड़े पत्थरों से हमला करने का आरोप लगाया। बराती पक्ष के पांच पुरुष और एक महिला घायल हुए हैं। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बराती पक्ष के अलमास (21) पुत्र इंतजार अहमद निवासी हरगांव चांदन, मेराजुद्दीन (40) पुत्र मोहम्मद असलम और उवैस (16) पुत्र मेराजुद्दीन निवासी पित्तनहेड़ी का चिकित्सकीय परीक्षण कराया है। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी।

दोनों पक्षों के घायलों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है। अभी किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। खास बात यह रही कि शादी समारोह में हुए इस भारी बवाल के बावजूद दुल्हन की विदाई हो गई।

सीएचसी की पार्किंग से पैशन प्रो बाइक चोरी, डायल 112 पर दी सूचना

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नगीना की पार्किंग से एक पैशन प्रो मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार ग्राम मुगलपुरा निवासी मोहम्मद नदीम पुत्र मोहम्मद राशिद ने पुलिस को दी सूचना में बताया कि सत्तार निवासी कोतवाली देहात अपने साले आसिफ पुत्र इनाम अली निवासी ग्राम मुगलपुरा की पैशन प्रो मोटरसाइकिल लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगीना आए थे। सोमवार शाम करीब सात बजे उन्होंने बाइक अस्पताल की पार्किंग में खड़ी कर दी थी।

करीब आठ बजे जब वह वापस जाने के लिए पार्किंग में पहुंचे तो मोटरसाइकिल वहां से गायब थी। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला।

इसके बाद मोहम्मद नदीम ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना पर पहुंची नगीना थाना पुलिस ने मौके पर जांच-पड़ताल की। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

युवती से छीने गए मोबाइल फोन के साथ दो गिरफ्तार

एएसपी गौतम राय व सीओ आलोक सिंह ने किया खुलासा



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- पुलिस ने एक युवती का मोबाइल फोन छीन कर भाग गए दोनों युवकों को मोबाइल समेत गिरफ्तार कर चालान कर दिया है।

घटना में प्रयुक्त बाइक को भी सीज कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण गौतम राय व सीओ आलोक सिंह ने बताया कि सोमवार को नगीना देहात थाना क्षेत्र के गांव चंदनवाला निवासी रिंकू सिंह की पुत्री मानसी ने तहरीर दी थी कि 13 नवंबर को वह रोडवेज बस स्टैंड पर सवारी का इंतजार कर रही थी।तभी दो अज्ञात लड़के उसका मोबाइल फोन पोको सी 61 छीनकर फरार हो गए।पुलिस ने बीएनएस की धारा 304(2)के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की।विवेचक एसआई प्रवीण कुमार ने बताया कि जांच के दौरान घटना में संलिप्त मोहल्ला पहाड़ी दरवाजा निवासी फैसल पुत्र सरफराज तथा शहजाद उर्फ छोटू पुत्र जलील अहमद के नाम प्रकाश में आए।

मंगलवार को एसआई प्रवीण कुमार तथा हेड कांस्टेबल सन्नीराज तोमर व अमित कुमार ने फैसल व शहजाद उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर उनके पास से छीना गया मोबाइल फोन पोको सी 61 बरामद कर लिया और घटना में प्रयुक्त बाइक यूके 07 एवी 3881 को सीज कर दिया।पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार युवकों ने बताया कि 13 नवंबर की शाम 6 बजे वे बाइक से तुलाराम की दुकान पर चाय पीने जा रहे थे तो रोडवेज बस स्टैंड के पास एक युवती को मोबाइल से बात करते हुए देख कर उनके मन में मोबाइल छीनने का लालच आ गया और वे मौका पाकर युवती का मोबाइल फोन छीन कर फरार हो गए।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने 13 सूत्रीय सौंपे दो ज्ञापन

गन्ने का भाव 500 रुपये प्रति क्विंटल करने, तहसील व राशन विभाग में कथित भ्रष्टाचार की जांच और वन गुर्जर परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की उठाई मांग, समाधान नहीं होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन टिकैत की तहसील स्तरीय मासिक पंचायत मंगलवार को गन्ना समिति नगीना में तहसील अध्यक्ष सोनू विरक के नेतृत्व में आयोजित हुई। पंचायत में क्षेत्र के किसानों एवं संगठन के पदाधिकारियों ने एकजुट होकर किसानों और आमजन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। पंचायत के उपरांत संगठन की ओर से उपजिलाधिकारी नगीना तथा सचिव सहकारी गन्ना विकास समिति को अलग-अलग ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की गई।उपजिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में तहसील परिसर में अंश निर्धारण, दाखिल-खारिज, नाम दुरुस्ती, आय एवं जाति प्रमाणपत्र सहित विभिन्न राजस्व कार्यों में रिश्वतखोरी की लगातार मिल रही शिकायतों पर चिंता जताते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की गई। वहीं आपूर्ति कार्यालय में नए राशन कार्ड बनवाने के नाम पर कथित अवैध वसूली तथा गरीब परिवारों को मिलने वाले सरकारी राशन में घटतौली का मुद्दा भी जोरदार ढंग से उठाया गया। संगठन ने प्रति यूनिट निर्धारित पांच किलोग्राम खाद्यान्न पूरा दिलाने और विभागीय स्तर पर कमीशनखोरी के आरोपों की जांच कराने की मांग की।

पंचायत में वन क्षेत्रों में रहने वाले सैकड़ों वन गुर्जर परिवारों की समस्याओं को भी गंभीरता से उठाया गया। संगठन ने इन परिवारों को आवासीय एवं कृषि पट्टे, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग की। इसके अलावा पेट्रोल पंपों पर कथित घटतौली, गैस एजेंसियों द्वारा होम डिलीवरी के नाम पर अतिरिक्त वसूली, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित पात्र किसानों को लाभ दिलाने तथा वन क्षेत्र से सटे गांवों में जंगली जानवरों और हाथियों से किसानों की फसलों एवं ग्रामीणों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। इनायतपुर, चक उदयचंद उर्फ छायली, श्यालीपुर, कोटरा सादातपुर और गढ़ी सहित प्रभावित गांवों में वन सीमा पर तारबाड़ अथवा खाई बनवाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही।

सहकारी गन्ना विकास समिति के सचिव को सौंपे गए मांग पत्र में भाकियू ने वर्तमान पेराई सत्र के लिए गन्ने का मूल्य कम से कम 500 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करने की मांग की। संगठन ने कहा कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, ऐसे में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही प्रेसमड (मैली) पर किसानों का पहला अधिकार सुनिश्चित करते हुए इसे निशुल्क उपलब्ध कराने, गन्ना क्रय केंद्रों पर घटतौली और तौल में हेराफेरी रोकने के लिए नियमित निरीक्षण कराने, समय से पर्चियां उपलब्ध कराने तथा एसएमएस नहीं मिलने की समस्या का समाधान करने की मांग की गई। गन्ना ढुलाई के जर्जर मार्गों की मरम्मत कराने और गन्ना वैरायटी के नाम पर किसानों को भ्रमित अथवा प्रताड़ित नहीं करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

इस दौरान तहसील अध्यक्ष सोनू विरक ने कहा कि किसानों और गरीबों का शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तहसील से लेकर गन्ना समिति और वन क्षेत्र में रहने वाले परिवारों तक की समस्याओं का समाधान कराना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मांगों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध कार्रवाई करने की अपेक्षा की।

भाकियू ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का शीघ्र एवं ठोस समाधान नहीं किया गया तो संगठन किसानों के हितों में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभागों एवं शासन-प्रशासन की होगी।

मंडी समिति के गेट के पास रखे खोखे में लगाई आग, दो लाख का नुकसान

पीड़िता ने दो लोगों के खिलाफ दी तहरीर



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- कोतवाली देहात रोड स्थित मंडी समिति के गेट के पास रखे खोखे में आग लग गई।दमकल विभाग नके पर पहुंच कर आग बुझाई। लाइनपार आजाद कॉलोनी निवासी ममता देवी पत्नी गौतम प्रकाश ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से मंडी समिति गेट के पास उसका लोहे का खोखा है और उसके सामने उसका ठेला है। वह बीड़ी,सिगरेट,पान मसाला,गुटके,चिप्स, कुरकुरे,नमकीन और किराना का सामान बेचकर परिवार पालती है।सोमवार की शाम साढ़े छह बजे खोखा बंद कर चली गई थी।खोखे में न तो बिजली है और न ही कोई गैस सिलेंडर रहता है।शाम सात बजे उसे पता चला कि उसकी दुकान (खोखे) में आग लग गई है।वह अपने बेटे के साथ मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर आग बुझाई। मंगलवार को पुलिस को दी गई तहरीर में ममता देवी पत्नी गौतम प्रकाश ने मंडी समिति में कैंटीन चलाने वाले ब्रिजेश व जयपाल पुत्रगण मखन सिंह निवासी लाइनपार आजाद कॉलोनी को नामजद करते हुए आरोप लगाया कि दोनों आए दिन परेशान करते हैं और शराब पी कर गंदी गंदी गालियां देते हैं तथा दो माह पूर्व उन्होंने खोखा हटाने के लिए दबाव बनाया था। इन्होंने ही खोखे में आग लगाई है।ममता ने बताया कि दो लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
फतेहपुर/हापुड
अमरोहा
बुधवार 18 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com

शराब के नशे में पति से करोड़ों की जमीन मात्र 34 लाख में बैनामा कराने का आरोप, DM से FIR की मांग



असोथर/फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के असोथर थाना क्षेत्र के ग्राम असोथर निवासिनी काजल सिंह पत्नी बृजेन्द्र पाल सिंह गौतम ने जिलाधिकारी फतेहपुर को प्रार्थना-पत्र देकर करोड़ों रुपये की कृषि भूमि का फर्जी बैनामा कराने का आरोप लगाया है। महिला ने दोषियों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है।

प्रार्थना-पत्र के अनुसार, प्रार्थिनी के पति बृजेन्द्र पाल सिंह गौतम शराब के नशे के आदी हैं। आरोप है कि चन्द्रपाल सिंह गौतम, शैलेन्द्र सिंह पुत्र रामकिशोर सिंह व नीलेन्द्र कुमार सिंह चौहान पुत्र रामकिशोर सिंह चौहान व मनोज कुमार पुत्र लाल बहादुर सिंह समस्त निवासी ग्राम असोथर व अंकित सिंह गौतम पुत्र अन्नू सिंह निवासी रामनगर कौहन थाना असोथर ने प्रार्थिनी के पति के साथ छल-कपट व धोखाधड़ी करके 02 नवंबर को फतेहपुर निबंधक कार्यालय में कृषि आराजी का बैनामा करा लिया।

बैनामे में दर्शाए गए चेकों का विवरण भी प्रार्थना-पत्र में दिया गया है। महिला का आरोप है कि 05 नवंबर को बैंक जाकर अपने पति के खाते का स्टेटमेंट निकलवाया तो पता चला कि कोई भी रुपया खाते में नहीं आया है।प्रार्थिनी का कहना है कि उसने पूर्व में मुख्यमंत्री को आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत की तथा 06 नवंबर को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना-पत्र दिया था, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। अब महिला ने जिलाधिकारी से उपरोक्त लोगों के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने का आदेश पारित करने की कृपा करने की मांग की है। प्रार्थना-पत्र के साथ बैनामे व बैंक स्टेटमेंट की छायाप्रति भी संलग्न की गई है।

गढ़ गंगा मेला में हुड़दंगियों पर होगी कठोर कार्रवाई, वाहन होंगे जब्त:- डीआईजी

श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने के निर्देश



गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- डीआईजी रेंज मेरठ कलानिधि नैथानी ने कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाले गढ़ मेला जनपद हापुड़, मखदूमपुर मेला जनपद मेरठ व अनूपशहर गंगा मेला जनपद बुलंदशहर में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मेला क्षेत्र के साथ-साथ मेले में आने-जाने वाले प्रमुख मार्गों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मेला क्षेत्र एवं आवागमन मार्गों पर किसी भी प्रकार का हुड़दंग, अराजकता अथवा शांति व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियां किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। ऐसे कृत्यों में संलिप्त व्यक्तियों को तत्काल चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करते हुए सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराया जाए।

डीआईजी द्वारा निर्देश दिए गए कि मेले में आने-जाने वाले प्रमुख मार्गों, संपर्क मार्गों एवं संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल लगातार भ्रमणशील रहकर निगरानी रखे। हुड़दंग अथवा अराजकता करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल प्रभावी कार्रवाई, अभियोग पंजीकरण व सीजर आदि की कार्रवाई की जाए। हुड़दंग, मारपीट, शांति भंग करने अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाले कृत्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध केवल औपचारिक चेतावनी तक सीमित न रहते हुए प्रकरण के तथ्यों के अनुसार तत्काल सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक सेक्टर प्रभारी अपने निर्धारित क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। अपने क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था अथवा हुड़दंग की सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें, अन्यथा की स्थिति में इनके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी। ड्यूटी पर तैनात समस्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी अपने निर्धारित ड्यूटी प्वाइंट पर पूर्ण सतर्कता के साथ मौजूद रहें। किसी भी प्रकार की अराजकता अथवा अनुशासनहीन गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति नियंत्रित करें एवं संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कराएं। ड्यूटी के दौरान कोई भी पुलिसकर्मी अपने निर्धारित दायित्वों के विपरीत आचरण, अनुशासनहीनता अथवा लापरवाही करता पाया जाता है तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कठोर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

डीआईजी ने निर्देशित किया कि गढ़ मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण उपलब्ध कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण सतर्कता, अनुशासन एवं आपसी समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए तत्काल एवं प्रभावी वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

औंग में पुलिस मुठभेड़, हत्या के वांछित अभियुक्त परसू के पैर में लगी गोली, गिरफ्तार



औंग/फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद के थाना औंग पुलिस टीम ने 16/17 नवंबर की रात थाना क्षेत्रांतर्गत औंग रेलवे स्टेशन के पास खदरा रोड पर हुई पुलिस मुठभेड़ के दौरान हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त को गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया।

थाना औंग पर पंजीकृत मु0अ0सं0-111/2026 धारा 103(1) बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त परसू पुत्र स्व0 भगवानदीन निवासी औसेरीखेड़ा, थाना औंग, जनपद फतेहपुर के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घायल अभियुक्त को उपचार हेतु सीएचसी बिंदकी ले जाया, जहां से डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल फतेहपुर रेफर कर दिया। गिरफ्तार घायल अभियुक्त के कब्जे से 700 रुपये नकद, 01 देशी तमंचा 315 बोर, 01 जिंदा कारतूस 315 बोर व 01 खोखा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ है।

प्रकरण के संबंध में थाना औंग पुलिस द्वारा नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कथा में भगवान कपिल देव का चरित्र श्रवण कराया

संत के लक्षण, सती प्रसंग, नरकों का वर्णन व अजामिल उपाख्यान सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु





नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- तीन दिन से बिश्नोई सराय पंजाबी धर्मशाला में चल रही कथा के तृतीय दिवस में कथा व्यास आचार्य पंडित पूज्य कपिल कृष्ण महाराज ने सभी भक्तों को कथा श्रवण कराई। महाराज जी ने सृष्टि सृजन की कथा का वर्णन किया तथा भगवान कपिल देव का पावन चरित्र श्रवण करवाया। उन्होंने बताया कि एक संत और एक भक्त के अंदर क्या लक्षण होने चाहिए। वह सदैव सहनशील रहे, सदैव दूसरे के प्रति करुणाभाव रखे, दूसरे का सदैव परोपकार की भावना रखे, संसार के सभी लोगों को अपना संबंधी माने, कोई अपना नहीं, कोई पराया नहीं। उनका न तो जन्म से कोई शत्रु होना चाहिए, न मित्र होना चाहिए। जो सदैव शांत भाव में रहे, जो मिले उसमें संतुष्ट रहे। आगे अन्य कथा प्रसंग में सती प्रसंग का बहुत सुंदर सार तत्व बताया। पूज्य महाराज ने कहा कि यदि हम कोई यज्ञ करते हैं तो वह निष्कपट होना चाहिए। उस यज्ञ को करने में हमारे अंदर कोई विकार नहीं आना चाहिए। जो यज्ञ अभिमान वर्धक एवं किसी का अपमान वर्धक होता है, तो उस यज्ञ को भगवान कभी स्वीकार नहीं करते हैं। ऐसे यज्ञ करने वाले का तामसी यज्ञ करने से राजा दक्ष की भांति विनाश ही होता है। अन्य कथा प्रसंग में नरकों का वर्णन किया। महाराज ने बताया कि नरक 28 प्रकार के होते हैं। जो व्यक्ति जैसा कर्म करता है, उसके अनुसार उसे वैसा ही फल भोगना पड़ता है। जैसे जो दूसरे के धन को, हक को, स्त्री को, बच्चों को हरण करते हैं, उनको तामिस्र नरक में जाना पड़ता है, जहां उनको आग में भूना जाता है। जो मनुष्य जीव हत्या करता है, पशु-पक्षी की बलि देता है, मांस भक्षण करता है, उनको कुंभीपाक नरक में जाना पड़ता है, जहां उनको उबलते हुए तेल में डालकर कष्ट सहना पड़ता है। इसीलिए महाराज जी ने बताया कि कभी भी कोई ऐसा कुकृत्य न करें, जिससे हम सबको नरक की यातनाएं सहनी पड़ें। नरक से बचने का परम साधन है भागवत भक्ति, भगवान का आश्रय, भगवान की कथाओं का आश्रय, सत्कर्म का आश्रय, दया भावना का आश्रय। तभी व्यक्ति नरक यातना भोगने से बच सकता है। इसी कथा श्रृंखला में महाराज जी ने अजामिल का सुंदर उपाख्यान श्रवण करवाया। उन्होंने बताया कि अजामिल भगवान का बहुत बड़ा उपासक था, बहुत बड़ा पंडित था, लेकिन कुसंगति में पड़ने पर अपना पूरा धर्म-कर्म, अपना सारा जीवन नष्ट कर दिया। महाराज जी ने बताया कि प्रभु भक्तों को व संसार के सभी लोगों को अच्छे लोगों की संगति सदैव करनी चाहिए, जिससे हमारा कर्म-धर्म सदैव शुद्ध रहे। अच्छे लोगों की संगति से अपना जीवन अच्छा बना सकते हैं। जो व्यक्ति जैसे लोगों की संगति करता है, वह वैसा बन जाता है। अंत में अजामिल की मुक्ति केवल भगवान के नाम से ही हुई। इसीलिए सब लोग गलत कर्म को त्याग करके भगवान के सनातन धर्म की शरणागति होकर अपना जीवन कृतार्थ एवं कल्याणकारी बनाएं।इस अवसर पर आचार्य नवनीत प्रसाद गैरोला, पंडित आशीष नौटियाल, पंडित अजय प्रसाद नौटियाल एवं संगीताचार्य मनोज उनियाल एवं तबला वादक अरविंद पैनौली, ओमप्रकाश भट्ट, हिमवंत टाइम लाइव प्रसारण शैलेंद्र भंडारी आदि उपस्थित रहे। आज के प्रथम यजमान किशन लाल टंडन, कान्ता टंडन, मनोज टंडन, अल्का टंडन, केशव, गौरी टंडन रहे। द्वितीय यजमान कुलदीप मेहता, रमा मेहता, गौरव, सौरभ, आकांक्षा, मायरा, जय मेहता परिवार एवं टंडन परिवार द्वारा पूजन-आरती संपन्न की गई। अन्य सैकड़ों श्रद्धालु भक्तजनों ने धर्म लाभ एवं प्रसाद ग्रहण किया।

सांप के डंसने से किशोरी की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़



जहानाबाद/फतेहपुर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के न्योरी जलालपुर गांव में जहरीले सांप के काटने से 16 वर्षीय किशोरी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतका की पहचान गांव निवासी नवाब अली की पुत्री साबनी परवीन के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, किशोरी बीती रात अपने कच्चे और जर्जर मकान में सो रही थी। इसी दौरान जहरीले सांप ने उसे डस लिया। सांप के काटने से उसकी हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई।

ग्रामीणों के मुताबिक, नवाब अली का परिवार लंबे समय से बेहद गरीबी और बदहाली में जीवन गुजार रहा था। परिवार जिस मकान में रहता है, उसकी दीवारें अधूरी हैं और छत व दरवाजे की समुचित व्यवस्था भी नहीं है। ऐसे में जहरीले जीव-जंतुओं का खतरा हमेशा बना रहता है।

किशोरी की मौत के बाद ग्रामीणों ने परिवार को सरकारी आवास योजना का लाभ न मिलने पर सवाल उठाए हैं।

उनका कहना है कि यदि परिवार को समय रहते पक्का मकान मिल गया होता तो शायद यह दर्दनाक हादसा टल सकता था। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने और तत्काल प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने की मांग की है।

बुढ़वा में 17वें धर्म संस्कार महोत्सव का शुभारम्भ

कृषि गोष्ठी में कैबिनेट मंत्री ने किसानों को किया सम्मानित





बिंदकी/फतेहपुर (सब का सपना):- अमौली विकास खंड के बुढ़वा गांव में परमार्थ प्रेरणा समिति के तत्वावधान में 17वें धर्म संस्कार महोत्सव एवं श्री विष्णु महायज्ञ मेला मंगलवार को शुरू हो गया।कृषि गोष्ठी और किसान सम्मान समारोह का भव्य शुभारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री राकेश सचान ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। डेयरी विभाग को एमएसएमई से जोड़कर किसानों को ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। किसान सम्मान निधि के माध्यम से खाद-बीज की दिक्कत दूर की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान बिना रासायनिक खाद की फसल तैयार करें, उसकी बिक्री पर अच्छा दाम मिलेगा। खानपान को दुरुस्त करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।समारोह में जनपद के पहले काकून उत्पादक हिमांशु सैनी, रागी उत्पादक पंथू सिंह, लहसुन-प्याज उत्पादक रामसिंह और औषधि उत्पादक श्यामू द्विवेदी सहित कुल आठ प्रगतिशील किसानों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सात किसानों को बीज किट वितरित की गई। विशिष्ट अतिथि जहानाबाद विधायक राजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि सब्सिडी का लाभ अब सीधे किसानों के खाते में पहुंच रहा है, जिससे बिचौलियों की भूमिका खत्म हुई है। कृषि विभाग की एसडीओ अन्वेषा देव ने सरकारी योजनाओं, पराली प्रबंधन और उन्नत खेती की जानकारी दी। प्राचीन श्रीराधा कृष्ण मेला के प्रथम दिन नरेन्द्र बाजपेयी के आवास से श्रीकृष्ण बलदाऊ की झांकिया बैंड बाजा अखाडा के साथ निकाली गई।ग्रामीणों ने कृष्ण बलदाऊ की पूजा अर्चना कर पुष्प वर्षा किया। मेला परिसर मे कंस के द्वारा भेजे गये आकाश गामी राक्षस तृणावर्त एवं पूतना बध की लीला मंचन हुआ।कृष्ण बलदाऊ द्वारा राक्षसों के बध करते ही जयकारे लगे।कार्यक्रम के संयोजक विमलेश त्रिवेदी ने अपने बिना गेहूं के मल्टी ग्रेन आटा को भेंट किया तथा सभी अतिथियों का स्वागत कर सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कृषि गोष्ठी का सफल संचालन आलोक गौड़ ने किया। इस अवसर पर किसान रमाकांत तिवारी, बजरंग सिंह, भुवन द्विवेदी, अवधेश शुक्ला, महावीर सचान, रामसिंह पटेल, मेला कमेटी अध्यक्ष ब्रजेंद्र सचान, चंदन सचान, अजय शुक्ला, उमेश त्रिवेदी, विराट शुक्ला, मनु पांडेय, सौरभ, गौरव, रुद्र, रानू, राकेश, सोमदत्त, मनीष चौधरी सहित बड़ी संख्या में किसान व ग्रामीण मौजूद रहे।

रोजगार मेले में 231 युवाओं का प्रारंभिक चयन, 12 कंपनियों ने लिया हिस्सा

किरन सिंह महाविद्यालय गाजीपुर में लगा वृहद रोजगार मेला, 397 अभ्यर्थियों ने कराया पंजीकरण





फतेहपुर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से मंगलवार को किरन सिंह महाविद्यालय गाजीपुर में वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में निजी क्षेत्र की 12 कंपनियों ने प्रतिभाग कर युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। इस दौरान कुल 397 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 231 युवाओं का प्रारंभिक रूप से चयन एवं शॉर्टलिस्ट किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री राधेश्याम गुप्ता ने किया। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि रोजगार मेले युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार पाने का बेहतर अवसर प्रदान करते हैं। युवाओं को ऐसे अवसरों का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए और अपनी योग्यता एवं कौशल के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी प्रवीण कुमार यादव, सहायक सेवायोजन अधिकारी हर्ष लालवानी, भाजपा के मंडल अध्यक्ष विनोद पांडेय, भारतीय जीवन बीमा निगम फतेहपुर के ब्रांच मैनेजर मनोज गुप्ता एवं महेंद्र गुप्ता ने अभ्यर्थियों को करियर संबंधी मार्गदर्शन दिया। रोजगार मेले में बड़ी संख्या में रोजगार की तलाश कर रहे युवा एवं मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन शशांक पांडेय ने किया। अंत में किरन सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य प्रमोद कुमार शुक्ल ने मुख्य अतिथि, कंपनी प्रतिनिधियों एवं मीडिया कर्मियों का आभार व्यक्त किया। रोजगार मेले के सफल आयोजन में जिला सेवायोजन कार्यालय के समस्त कर्मचारियों का सहयोग रहा।



खूबसूरत दिखना हर कोई चाहता है। लोगों की यही चाहत ऐसे बहुत से रोजगार पैदा कर जाती है, जिसकी आमतौर पर सामान्य छात्र कल्पना नहीं करता। कॉस्मेटोलॉजी ऐसा ही क्षेत्र है। इसमें अनेक शाखाएं हैं, जहां भविष्य की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। आप हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट तक बन सकते हैं और जॉब के रूप में हजारों तथा खुद का काम करके लाखों कमा सकते हैं।



सौन्दर्य के संसार में खूबसूरत करियर

सुन्दर दिखने की चाहत और उसके लिए तरह-तरह के नुस्खों की आजमाइश जोरों पर है। इसके लिए बाजार में सौन्दर्य प्रसाधनों व लाइफ स्टाइल के उत्पादों की बाढ़ सी आ गई है। शेविंग क्रीम हो या टूथ पेस्ट, फेस क्रीम, स्क्रीन क्रीम या फिर शैम्पू, साबुन और तेल-ये सभी आम जीवन की जरूरतों में शामिल हैं। बाजार में रोजमर्रा की मांग ने इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी खूब पैदा किए हैं। कॉस्मेटोलॉजी का कोर्स इन अवसरों के बीच ही ले जाता है। इसकी मांग को देखते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में भी इस कोर्स को करवाया जा रहा है।

कॉस्मेटोलॉजी के रंग

इस कोर्स में छात्रों को पहले कॉस्मेटोलॉजी की विभिन्न ब्रांच और उसके विविध रूपों की जानकारी दी जाती है। ये ब्रांच हैं हेयर स्टाइलिस्ट, शैम्पू टेक्नीशियन, नख प्रसाधक, इस्थेटिशियन, ब्यूटी थेरेपिस्ट, नेल टेक्नीशियन और इलेक्ट्रोलॉजिस्ट। इसके बाद इन क्षेत्रों में काम आने वाले विभिन्न प्रोडक्ट्स के निर्माण के बारे में बताया जाता है। मसलन शेविंग क्रीम, टूथ ब्रश, पेस्ट, फेस क्रीम, सन्सक्रीम, नेल पॉलिश आदि। कोर्स से जुड़े विशेषज्ञों की मानें तो लाइफ स्टाइल और सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े जितने भी प्रोडक्ट प्रचलन में हैं, चाहे वे त्वचा संबंधी हों या आंख, नाक, कान, बाल, मुंह या शरीर के किसी और अंग से, इन सबके बारे में इस कोर्स में बताया जाता है। हेयर स्टाइलिस्ट को बालों के विभिन्न रूप, उनकी कटिंग और उनमें काम आने वाले कैमिकल्स की जानकारी दी जाती है। बालों को सुंदर बनाने की कला से भी रूबरू कराया जाता है।

शैम्पू टेक्नीशियन को आमतौर पर शैम्पू बनाने की विधियां, उसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन और उसके इस्तेमाल की तरकीबें बताई जाती हैं। नख प्रसाधन के क्षेत्र में हाथ और पैर को सुन्दर बनाने वाली पॉलिश और क्रीम आदि के बारे में बताया जाता है। साथ ही देखभाल के बारे में जानकारी दी जाती है।



इस्थेटिशियन को आमतौर पर त्वचा की देखभाल की कला सिखाई जाती है। उसे नई तकनीक के इस्तेमाल से अंग लेपन, फेशियल मसाज आदि से अवगत कराया जाता है। इसमें दक्ष इस्थेटिशियन चाहे तो स्वतंत्र रूप से सैलून या स्पा में काम कर सकता है। वह चाहे तो किसी डॉक्टर को इस क्षेत्र की प्रैक्टिस में सहायता भी प्रदान कर सकता है। इस्थेटिशियन को त्वचा की देखभाल संबंधी उत्पाद की जानकारी के साथ-साथ उसके नफे-नुकसान के बारे में बताया जाता है। त्वचा की पूरी तरह से देखभाल के कारण इसे स्किन केयर थेरेपिस्ट भी कहा जाता है।

ब्यूटी थेरेपिस्ट को मशीन द्वारा बालों को हटाना, आंखों की पुतलियां सजाना, ठीक करना जैसी चीजों के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इलेक्ट्रोलॉजिस्ट को इलेक्ट्रोलिसिस का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। विद्युत तरंगों से लैस मशीन से बाल को उखाड़ना या उसे उगाना जैसे काम इसमें बखूबी किए जाते हैं। कोर्स में छात्रों को सामान्य मेडिसिन की जानकारी भी दी जाती है। हालांकि डॉक्टर की तरह इलाज करना उसका काम नहीं होता। उसे सौन्दर्य प्रसाधन से जुड़े प्रोडक्ट्स का क्या-क्या असर होगा, यह भी पढ़ाया जाता है। मोटापा बढ़ने पर वजन कम करने और आकर्षक लुक व सुडौल शरीर कैसे बने, इसका भी ज्ञान दिया जाता है। यही नहीं, उसे मानव साइकोलॉजी का भी पाठ पढ़ाया जाता है। कोर्स में एनेलिटिकल कैमिस्ट्री का भी पाठ शामिल है।

दाखिले की प्रक्रिया

दाखिले के लिए कहीं 12वीं पास तो कहीं बीएससी या स्नातक की मांग की जाती है। कैमिस्ट्री की पढ़ाई करने वालों के लिए यह और फायदेमंद हो जाता है। यह कोर्स सरकारी और गैर-सरकारी, दोनों तरह के संस्थानों में चल रहे हैं।



रोजगार कहां

कोर्स को करने के बाद छात्र चाहे तो खुद बॉडी केयर सेंटर खोल सकते हैं। दिल्ली जैसे शहर में इस तरह के सेंटर से लोग प्रति माह हजारों रुपए कमा रहे हैं। आप ब्यूटीशियन के लिए बतौर कंसलटेंट काम कर सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। छात्र चाहे तो कॉस्मेटिक निर्माण की यूनिट भी लगा सकता है। जहां तक आय का सवाल है, कोई चाहे तो किसी के यहां काम करके 20 से 30 हजार रुपए भी कमा सकता है और स्वरोजगार में लाख, दो लाख रुपए महीना भी।

क्या कहता है आपका एप्टीट्यूड



विषय अनेक और करियर भी अनेक, इतने कि किसे चुनें, किसे नहीं। इसी ऊहापोह में छात्र भटक कर रह जाते हैं। अपनी दुविधा लेकर काउंसलरों के पास आने वाले छात्रों के आंकड़े बताते हैं कि हाल-फिलहाल में छात्रों में यह असमंजस की स्थिति कहीं ज्यादा बढ़ी है। आपके इस असमंजस को सही दिशा दे सकता है एप्टीट्यूड टैस्ट। किस-किस तरह के हैं ये एप्टीट्यूड टैस्ट?

अमोल संगीतज्ञ बनना चाहता है, लेकिन उसके माता-पिता उसे इंजीनियर के रूप में देखना चाहते हैं। पिता और अमोल के बीच करियर के चुनाव को लेकर काफी दिन तक खींचतान चलती रही। घर में इस कलह को दूर करने के लिए उसे काउंसलरों ने एप्टीट्यूड टैस्ट कराने की सलाह दी। अमोल के एप्टीट्यूड टैस्ट के बाद ही यह पता लगाया गया कि वह एक सफल संगीतज्ञ बन सकता है। टैस्ट में उसमें क्रिएटिव इनोवेशन के लक्षण ज्यादा पाए गये। इस क्षेत्र में उसकी विशेष रुचि भी देखी गई। अमोल अकेला ऐसा छात्र नहीं। उसकी तरह कई और भी छात्र हैं, जिनके जीवन को सही दिशा देने के लिए माता-पिता अब एप्टीट्यूड टैस्ट कराने लगे हैं। किसी व्यक्ति की क्षमता का आकलन एप्टीट्यूड टैस्ट से ही हो पाता है। उसमें इंजीनियर बनने की क्षमता है या ड्राइवर या कलाकार, इसे पता लगाने का सटीक उपाय है एप्टीट्यूड टैस्ट। दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रो. एनके चड्ढा कहते हैं, करियर का सही चुनाव और उसमें मौजूद क्षमता के आकलन के लिए एप्टीट्यूड के साथ बच्चे की रुचि भी देखी जाती है। ऐसा करने पर करियर के चुनाव में खासी मदद मिलती है। एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट, दोनों एक-दूसरे के साथ जुड़े हैं और साथ-साथ चलते हैं। अगर एक है और दूसरा नहीं तो करियर को सही दिशा नहीं मिलती।

काउंसलर गीतांजलि कुमार करियर और जीवन को सही दिशा देने में एप्टीट्यूड और इंटरेस्ट के साथ व्यक्ति के व्यक्तित्व और शारीरिक क्षमता को भी एक कड़ी मानती हैं। वह कहती हैं, इन सबको मिला कर ही किसी को करियर या जीवन में कोई राह चुनने की सलाह दी जाती है। अगर किसी में किसी कार्य के प्रति एप्टीट्यूड है, पर रुचि या करने की इच्छा नहीं तो उस दिशा में भेजना बेकार है। इसी तरह पहली दोनों चीजें हैं, लेकिन शारीरिक क्षमता या व्यक्तित्व नहीं तो ऐसे करियर के चुनाव की सलाह देना बेकार है। वह कहती हैं, व्यक्तित्व भी पॉजिटिव मोटिव देता है, इसलिए तीनों को देखना जरूरी है।

क्यों है जरूरी

एप्टीट्यूड टैस्ट ही किसी छात्र या व्यक्ति के करियर और काम की दिशा बताता है। उसकी क्षमता और रुचि को बताता है। इसके बाद उसे सही प्रोफेशन चुनने की सलाह दी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगर ऐसा नहीं होता तो अमुक व्यक्ति में आगे चल कर कुंठा का जन्म होता है। वह काम को एन्जॉय नहीं कर पाता। ऐसी स्थिति में उसके अंदर नकारात्मक सोच हावी हो जाती है। वह विध्वंसात्मक दिमाग का हो जाता है। उसमें पहचान का संकट भी पैदा होने लगता है। एप्टीट्यूड, रुचि और व्यक्तित्व के हिसाब से काम नहीं मिलने पर वह अपने पेशे में उतना सक्षम साबित नहीं होता, जितना दूसरे लोग। ऐसे में वह दूसरों को नीचा दिखाने के लिए कई बार उलटे-सीधे हथकंडे भी अपनाता है। सफलता नहीं मिलने पर वह कई बार अवसाद की स्थिति में आ जाता है और आत्महत्या को मजबूर हो जाता है, इसलिए शिक्षण संस्थानों को सरकार ने बच्चों के करियर की दिशा तैयार करने को कहा है। शिक्षण संस्थाओं में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर आए दिन इसी वजह से खोले जा रहे हैं। यह हर संस्थान और काम की जगह की जरूरत बनती जा रही है। प्रो. चड्ढा कहते हैं, भारत में इस तरह की समस्याओं के लिए निजी प्रैक्टिशनर की ओर से जगह-जगह नगरों व महानगरों में काउंसलिंग सेंटर खुल गए हैं, लेकिन इसे चलाने वाले लोग आमतौर पर क्वालिफाइड नहीं होते। काउंसलिंग के लिए कौन सा व्यक्ति उपयुक्त है या नहीं, इसके लिए नेशनल एजेंसी बनी है। वह क्वालिफिकेशन तय करती है। गाइडलाइंस भी तैयार किए हैं।

एप्टीट्यूड टैस्ट के रूप-रंग

लॉजिकल रीजनिंग- एप्टीट्यूड टैस्ट के कई आयाम हैं, जिनमें एक है लॉजिकल रीजनिंग। इसके तहत कार्य-कारण संबंध पर जोर होता है। किसी व्यक्ति में मानसिक स्तर पर कैलकुलेशन की क्षमता कितनी है, इसका आकलन लॉजिकल रीजनिंग के माध्यम से किया जाता है। अगर वह लॉजिकल रीजनिंग में ज्यादा स्कोर करता है तो इससे पता चलता है कि वह कायदे-कानून में रह कर कठिन से कठिन समस्याओं को हल कर सकता है। इस क्षमता से लैस युवा मैनेजर, वैज्ञानिक और व्हाइट कॉलर जॉब में जाने के उपयुक्त होते हैं।

एब्सट्रेक्ट रीजनिंग - इसके तहत खरा उतरने वाला युवा बिखरी हुई चीजों को एकत्रित करके प्लान के साथ काम करने में विशेष हुनर रखता है। इसमें एप्टीट्यूड किस तरफ जा रहा है, उसकी दिशा क्या है, वह एक एरिया से दूसरे एरिया में लिंक कर रहा है या नहीं, यह भी देखा जाता है। सिविल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बेहतर करने वाले युवाओं में एब्सट्रेक्ट रीजनिंग हल करने की क्षमता ज्यादा पाई जाती है।

न्यूमेरिकल रीजनिंग - यह किसी व्यक्ति की गणितीय क्षमता की जानकारी देता है। वह गुणा-भाग करने और सांख्यिकीय सवालों को हल करने की कितनी क्षमता रखता है, इसका आकलन इसके द्वारा किया जाता है। इसे देख कर ही उसे इस विषय या क्षेत्र से जुड़े करियर में जाने की सलाह दी जाती है। मसलन सीए, गणितज्ञ और लेखाकार आदि बनने के लिए न्यूमेरिकल रीजनिंग में बेहतर होना चाहिए।

आई-हैंड कोऑर्डिनेशन - आमतौर टेक्निकल काम मसलन ड्राइविंग हो, पायलट या फिर किसी मशीन को चलाने के लिए मशीनमैन हो, उसमें यह एप्टीट्यूड जरूर होना चाहिए। इसमें कोई व्यक्ति हाथ, पैर व आंख को काम करते वक्त कितना केन्द्रित कर पाता है, यह देखा जाता है। ऐसा व्यक्ति दुर्घटनाओं को कम करने में काफी मददगार साबित होता है। ड्राइवर, पायलट, मशीनमैन और मैकेनिकल जॉब के लिए यह एप्टीट्यूड बढ़िया माना जाता है।

क्रिएटिव इनोवेशन - इसमें किसी व्यक्ति की रचनात्मक क्षमता का आकलन किया जाता है। उसमें कलात्मक रुझान व रुचि का पता लगाया जाता है। आमतौर पर व्हाइट कॉलर जॉब में इस तरह के लोगों की जरूरत पड़ती है। इसके तहत यह भी देखा जाता है कि वह निर्णय कितना शीघ्र और सही रूप में लेता है। उसमें फ्लेक्सिबिलिटी भी होनी चाहिए। कोई व्यक्ति स्वभाव में अड़ियल तो नहीं है। अगर उसमें फ्लेक्सिबिलिटी का स्तर बेहतर है तो उसे उच्चतम पदों की जिम्मेदारी दी जाती है। इसमें उसके अंदर बड़प्पन कितना है, इसका आकलन भी किया जाता है। एप्टीट्यूड टैस्ट में ओरिजनेलिटी और मौलिकता को भी देखा जाता है। ऐसे चंद ही व्यक्ति होते हैं, जो अलग किस्म के आइडिया से लैस होते हैं। इस टैस्ट में ओरिजनल आइडिया को देखा व समझा जाता है। इसे बहुविध सोच के रूप में भी देखा जाता है। यह गुण जिसमें है, उसमें अध्यापक, लेखक, अभिनेता, संगीतज्ञ और आविष्कारक बनने की क्षमता होती है।



प्रोफेशनल लाइफ में रख रहे हैं कदम अपनाएं ये टिप्स

कॉलेज लाइफ को अलविदा कहकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में कदम रखने कम चुनौतीपूर्ण नहीं हैं। कई युवाओं के लिए कॉलेज ग्रेजुएशन पूरा होने और अपने पहले जॉब की शुरुआत काफी तनावपूर्ण होती है। कॉलेज पूरा करने के बाद आपको जॉब हंटिंग, इंटरव्यू देना होता है और वास्तविकता का सामना करना इतना आसान नहीं है। कॉलेज स्टूडेंट से एक प्रोडक्टिव एम्प्लॉई बनने का यह ट्रांजिशन सफल बनाने के लिए कुछ बातों को समझना जरूरी है। इन मुद्दों को समझकर और उनके लिए तैयार रहकर इस बदलाव को आसान बना सकते हैं।

कॉलेज जाने और नौकरी पर जाने में बहुत फर्क है। आप जॉब में बंक नहीं मार सकते। आप पैसे देकर ट्यूशन नहीं ले रहे बल्कि आपको पे किया जा रहा है। इसलिए ट्यूशन की तरह मन न होने पर आप काम पर नहीं जाने का मन नहीं बना सकते। आपको नौकरी में आठ घंटे तो काम करना ही पड़ता है।

कॉलेज का समय प्रयोग का समय होता है। हम यहां थोड़ा गैर जिम्मेदार हुए तो चलेगा लेकिन प्रोफेशनल लाइफ में ऐसा नहीं है। कॉलेज में गैर जिम्मेदार होने का मतलब खराब ग्रेड लेकिन वर्कप्लेस पर अनप्रोफेशनल होना मतलब आपके नौकरी की छुट्टी। प्रोफेशनल का मतलब ही सेल्फ-स्टार्टर होता है। कॉलेज से ज्यादा डेडलाइन का सामना आपको प्रोफेशनल वर्ल्ड में करना होगा।

ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आपके दिमाग में अपना स्पष्ट करियर पाथ होना चाहिए लेकिन अगर आपका पहला जॉब अपनी योजना से मेल नहीं खाता है तो घबराइए नहीं।

कॉलेज छोड़ने और प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखने में बहुत चीजें बदलती है। हां, अगर आप दोपहर तक सोते रहते हैं या देर रात फिल्में देखते हैं तो यह सब आपको बंद करना पड़ेगा। आपकी डाइट भी बदलेगी। लाइफस्टाइल के बदलावों के लिए तैयार रहें।

कॉलेज लाइफ खत्म होने का मतलब नहीं कि आपकी लाइफ से फन गायब हो गया। आप अभी भी ट्रेवल कर सकते हैं, दोस्तों के साथ समय बिता सकते हैं और नए व रोमांचक चीजें सीख सकते हैं। इस समय आपको देखना होगा कि किस तरह से मनोरंजन करें ताकि आप अपनी जॉब की जिम्मेदारी भी अच्छे से निभा पाएं।

8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
बुधवार 18 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com



लैटिन ग्रैमी में छाया दिलजीत और डैडी यांकी का जादू

पंजाबी म्यूजिक का जलवा अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनियाभर में इसकी धूम देखने को मिल रही है। ग्लोबल म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुके सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ ने एक बार फिर इंटरनेशनल मंच पर पंजाबी संगीत का परचम लहराया है। इस बार उन्होंने प्यूर्टो रिको के मशहूर रेगेटन स्टार डैडी यांकी के साथ मिलकर ऐसा धमाल मचाया कि हर तरफ उनकी चर्चा होने लगी। दोनों का ग्लोबल क्रॉसओवर ट्रैक 'पोकिटो' लैटिन ग्रैमी 2026 के मंच पर भी छा गया। अब दिलजीत ने इस खास परफॉर्मेंस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं।

दिलजीत ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लैटिन ग्रैमी 2026 में हुई परफॉर्मेंस की एक झलक शेयर की। वीडियो में दिलजीत अपने पंजाबी अंदाज में 'पोकिटो' का हिस्सा गाते नजर आ रहे हैं, वहीं डैडी यांकी अपने स्पेनिश वर्स से समां बांधते दिखाई देते हैं। बाद में दोनों कलाकार एक साथ मंच पर परफॉर्म करते हैं। इस दौरान वहां मौजूद दर्शक भी दोनों की परफॉर्मेंस पर जमकर तालियां बजाते और उत्साह बढ़ाते नजर आए।



वीडियो शेयर करते हुए दिलजीत ने लिखा, 'पंजाबी लैटिन ग्रैमी में पहुंच गए हैं! ओए, अब दुनिया के हर मंच पर पंजाबी बोली जाएगी। भगवान हम पर मेहर बनाए रखे। बड़े भाई डैडी यांकी को सलाम। दो संस्कृतियों को एक मंच पर लाने के लिए शुक्रिया। लैटिन ग्रैमी का भी शुक्रिया, जिन्होंने हमें यहां मौका दिया।' फैंस को खूब पसंद आया दोनों का अंदाज दिलजीत और डैडी यांकी की इस परफॉर्मेंस का वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैंस के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कोई इसे शानदार म्यूजिक फ्यूजन बता रहा है, तो किसी को दोनों का साथ आना साल का सबसे बेहतरीन क्रॉसओवर लग रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'यह तो कमाल है।' वहीं दूसरे ने गाने की तारीफ करते हुए कहा, 'क्या गाना है, बहुत पसंद आया।' एक फैन ने लिखा, 'कितने शानदार रिदम का मेल है। मुझे पंजाबी म्यूजिक और प्यूर्टो रिकन्स दोनों पसंद हैं।' वहीं एक यूजर ने दोनों की जोड़ी को 'यांकी जट्ट' नाम दिया। एक अन्य फैन ने इसे साल का बेस्ट क्रॉसओवर बताया।

डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ काम करने पर कही ये बात

लैटिन ग्रैमी के रेड कार्पेट पर मीडिया से बातचीत के दौरान डैडी यांकी ने दिलजीत के साथ अपने इस कोलैबोरेशन को खास बताया। उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं दिलजीत का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। उन्होंने शानदार काम किया है। मुझे लगता है कि पंजाबी और रेगेटन संगीत एक-दूसरे के कजिन की तरह हैं। मुझे हमेशा से ऐसा महसूस होता रहा है। यह कोलैबोरेशन शानदार रहा। इस गाने को सपोर्ट करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया। जब अलग-अलग संस्कृतियां मिलती हैं, तो संगीत का असली मतलब समझ आता है।'

क्या है 'पोकिटो' की खासियत

'पोकिटो' एक पंजाबी-स्पेनिश गाना है, जसमें दो अलग-अलग संगीत शैलियों का खूबसूरत मेल देखने को मिलता है। इसमें दिलजीत की पंजाबी आवाज और भांगड़ा का तड़का है, तो वहीं डैडी यांकी का सिग्नेचर रेगेटन अंदाज भी सुनने को मिलता है। गाने में बार-बार आने वाला स्पेनिश वाक्यांश 'पोकिटो आ पोकिटो' का मतलब 'थोड़ा-थोड़ा करके' होता है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो को स्टिल्ज ने डायरेक्ट किया है। वीडियो में पंजाबी परंपराओं और लैटिन अर्बन कल्चर की झलक को रंगीन अंदाज में दिखाया गया है। यह गाना डैडी यांकी के 15 ट्रैक वाले एल्बम 'ला पोस्टल' का हिस्सा है। 30 अक्टूबर को रिलीज हुए इस गाने के जरिए दोनों कलाकारों ने संगीत के माध्यम से दो अलग-अलग संस्कृतियों को एक साथ लाने की कोशिश की है।



डिजिटल एंटरटेनमेंट में कदम रखने जा रहे हैं आमिर खान और फरहान अख्तर

फिल्मों की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाले आमिर खान और फरहान अख्तर अब डिजिटल एंटरटेनमेंट में भी नया कदम उठाने जा रहे हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने मिलकर एक माइक्रोड्रामा प्लेटफॉर्म शुरू करने की तैयारी की है. इस पर दर्शकों को कम समय में पूरी होने वाली कहानियां देखने को मिलेंगी.



इस प्लेटफॉर्म पर सिर्फ नई कहानियां ही नहीं दिखाई जाएंगी, बल्कि दोनों प्रोडक्शन हाउस के पास पहले से मौजूद कहानियों और फिल्मों से जुड़े कंटेंट का भी इस्तेमाल किया जाएगा. इसके साथ ही कुछ कहानियां खास तौर पर इस प्लेटफॉर्म के लिए तैयार की जाएंगी. यानी दर्शकों को पुराने कंटेंट के साथ कुछ नया देखने का मौका भी मिलेगा. इस वेंचर में कई जाने-माने डिजिटल और यूट्यूब क्रिएटर्स को जोड़ने की तैयारी है. इनके साथ खास समझौते किए जाएंगे, ताकि वे अपने कंटेंट और दर्शकों के साथ इस नए प्लेटफॉर्म का हिस्सा बन सकें. इससे डिजिटल दुनिया में पहले से लोकप्रिय चेहरों को भी नई कहानियों के जरिए दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा. इस प्लेटफॉर्म को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए एक बड़ी टेलीकॉम कंपनी को भी साथ जोड़ा गया है. इसका मकसद है कि मोबाइल पर वीडियो देखने वाले ज्यादा से ज्यादा दर्शक इस कंटेंट तक आसानी से पहुंच सकें. हालांकि, अभी इस कंपनी का नाम सामने नहीं आया है.

क्या होता है माइक्रोड्रामा

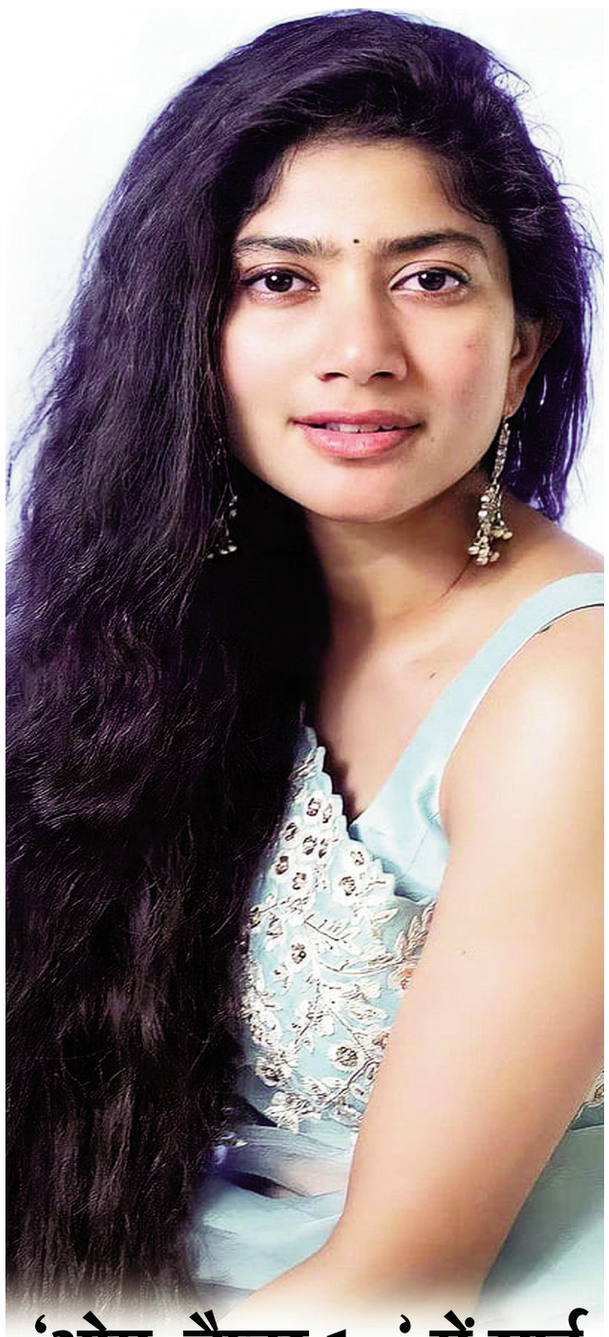
माइक्रोड्रामा ऐसे छोटे वीडियो एपिसोड होते हैं, जिनमें कहानी बहुत कम समय में आगे बढ़ती है. आमतौर पर हर एपिसोड में कोई नया मोड़ या दिलचस्प बात देखने को मिलती है, जिससे दर्शक अगला हिस्सा देखने के लिए उत्सुक रहते हैं. इसे खास तौर पर मोबाइल पर देखने के हिसाब से बनाया जाता है.



रजनीकांत सर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा

अभिनेत्री अपेक्षा पोरवाल इन दिनों रजनीकांत स्टारर फिल्म 'जेलर 2' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में फिल्म में सुपरस्टार के साथ काम करने के अनुभव, एक्शन से भरपूर रोल की तैयारी के बारे में बात की। अभिनेता ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ काम करने के अनुभव को स्पेशल पल बताया। उन्होंने कहा, 'रजनीकांत भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना और काम करने का मौका मिलना मेरे लिए सच में किसी सपने के सच होने जैसा है।' उन्होंने आगे कहा, 'जेलर 2' में काम करना कमाल का अनुभव था। आप किसी भी कलाकार का नाम लें, वे सभी जमीनी स्तर से जुड़े हैं। फिर, चाहे वो मिथुन सर हों, रजनीकांत सर, विद्या मैम या राम्या कृष्णन मैम, सभी बहुत ही उम्दा कलाकार हैं और वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते हैं कि उनका सह-कलाकार कंफर्टेबल फील करे। मुझे लगता है कि जो लोग बड़े और स्थापित होते हैं, वो असल जिंदगी में उतने ही सरल और दयालु होते हैं। उनके साथ काम करना सच में बहुत अच्छा लगता है।' फिल्म में अभिनेत्री का छोटा, लेकिन एक्शन से भरपूर किरदार है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अपेक्षा पोरवाल ने कहा, 'फिल्म में मेरा किरदार एक तरह से घातक महिला का है, जो मिथुन सर के किरदार वाले विलेन के परिवार को फंसाती है और रजनीकांत सर के परिवार को बचाती है, तो वह एक असैसिन है। मुझे मार्शल आर्ट्स की थोड़ी बेसिक ट्रेनिंग भी है, जिसमें कटाना (जापान की एक पारंपरिक, हल्की घुमावदार और एक धार वाली लंबी तलवार) और नंचक्स शामिल हैं। इस फिल्म में मैं कटाना और गन का इस्तेमाल करती हूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस फिल्म में परफॉर्मेंस से पहले उन्होंने तीन दिन तक इंटेंस एक्शन ट्रेनिंग की थी। उन्होंने कहा, 'हमने पूरी एक्शन कोरियोग्राफी सीखी। इसके अलावा, मैंने अपनी जनरल फिटनेस पर भी ध्यान दिया। मैं आमतौर पर हफ्ते में कम से कम पांच दिन जिम जाती हूं। चेन्नई शेड्यूल के दौरान मेरा रूटीन काफी बिजी था। मैं शूट के बाद जिम जाती थी, फिर कार्डियो के लिए स्विमिंग और फिर स्टीम सेशन।





'ओमः चैप्टर 1...' में साई पल्लवी ने मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा किए

'ओमः चैप्टर 1 – उधिरमः द ब्लड वुड' के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च, जहां हजारों की तादाद में पहुंचे फैंस ने इस शाम को किसी बड़े फिल्मी जश्न में बदल दिया। धनुष, मम्मूट्टी, साई पल्लवी, श्रीलीला, निर्देशक राजकुमार पेरियासामी, निर्माता श्रद्धा अग्रवाल और म्यूजिक कंपोजर साई अभ्यंकर की मौजूदगी ने इस महफिल में चार चांद लगा दिए। फिल्म के इस खास जश्न में निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। धनुष सर जैसे इंसान के साथ यह सफर बेहद खूबसूरत रहा है। वहीं राजकुमार सर की फिल्म के प्रति मेहनत, लगन और समर्पण शानदार रहा है। 'ओम' को लेकर दर्शकों ने अब तक जो प्यार और उत्साह दिखाया है, वह हमारे लिए बहुत मायने रखता है। उम्मीद है कि 20 नवंबर को फिल्म सिनेमाघरों में पहुंचने के बाद यह प्यार और भी बढ़ेगा।' वहीं साई पल्लवी ने अपने खास अंदाज में मम्मूट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, 'पिछली फिल्म में मैं मम्मूट्टी-मम्मूट्टी कहती रहती थी और अब मम्मूट्टी सर के साथ काम कर रही हूं। पता नहीं, मैंने ही इसे मैनिफेस्ट कर लिया था!' मम्मूट्टी के साथ काम करने के अनुभव पर साई बोलीं, 'वह 70 साल से ज्यादा उम्र के हैं, लेकिन मैंने सेट पर उनसे ज्यादा एनर्जेटिक एक्टर नहीं देखा। वह बिल्कुल बच्चे जैसे हैं। कैमरा रोल होने से पहले ही वह ऐसे प्यारे-प्यारे एक्सप्रेशंस देते रहते थे। उनके साथ काम करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात रही।' निर्माता श्रद्धा अग्रवाल ने फिल्म और चेन्नई के साथ अपने खास जुड़ाव पर कहा, 'आरटेक बैनर के तहत हमने जितनी भी फिल्में बनाई हैं, उन सभी का चेन्नई से एक खास रिश्ता रहा है। लेकिन 'ओम' के साथ हम इस रिश्ते को और भी बड़े स्तर पर लेकर जा रहे हैं। यह निस्संदेह हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है।

जयदीप अहलावत, अभिषेक बनर्जी और बरुण सोबती की तिकड़ी मचाएगी धमाल

अभिनेता अभिषेक बनर्जी, जयदीप अहलावत और बरुण सोबती जल्द ही अपनी नई सीरीज 'पुष्पक विमान' में एक साथ नजर आएंगे। सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी द्वारा बनाई और लिखी गई यह सीरीज क्राइम और कॉमेडी का मजेदार मेल लेकर आ रही है। तीनों कलाकारों को एक साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होने वाला है। सुदीप शर्मा अब तक अपनी गंभीर और इंटेंस कहानियों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार वह 'पुष्पक विमान' के जरिए कॉमेडी के जॉनर में कुछ नया करने जा रहे हैं। यह सीरीज कुछ अनोखे किरदारों की कहानी है, जिनकी जिंदगी में होने वाली घटनाएं धीरे-धीरे एक अलग ही मोड़ ले लेती हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए सुदीप शर्मा ने बताया कि वह इस बार कुछ अलग करना चाहते थे। उनके मुताबिक, इस तरह की कहानी और नए जॉनर के साथ प्रयोग करने के लिए नेटफ्लिक्स एक अच्छा प्लेटफॉर्म है। नेटफ्लिक्स इंडिया की सीरीज हेड तान्या बामी ने भी इस सीरीज को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि 'पुष्पक विमान' सुदीप शर्मा के साथ नेटफ्लिक्स की अगली फ्रेंचाइजी होगी।

चित्रांगदा सिंह ने की सलमान खान की जमकर तारीफ



अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी वॉर-ड्रामा फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में अभिनेता सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को याद करते हुए बताया कि अभिनेता की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और आत्मविश्वास ने शुरुआत में उन्हें थोड़ा नर्वस कर दिया था। अभिनेत्री ने बातचीत में सलमान खान की जमकर तारीफ की। चित्रांगदा का कहना है कि सलमान खान में दूसरों से बेस्ट निकलवाने की काबिलियत है और इसी वजह से उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मजेदार हो गया। उन्होंने कहा, 'सलमान खान के साथ काम करना वाकई शानदार और यादगार अनुभव रहा। उनकी प्रेजेंस बेहद दमदार है। कैमरे के सामने उनमें ऐसी सहजता और आत्मविश्वास रहता है कि शुरुआत में, तो मैं भी थोड़ा नर्वस हो गई थी, लेकिन उनके काम करने के तरीके में एक शानदार सहजता भी है, जो उनके साथ फ्रेम शेयर करना इतना मजेदार बना देती है और हर सीन में एक नेचुरल एनर्जी ले आती है।' चित्रांगदा सिंह ने 'मातृभूमि' के गानों में सलमान के साथ अपनी केमिस्ट्री को मिल रहे रिस्पॉन्स को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'जब से 'मातृभूमि' के गाने आए हैं, तब से हमारी केमिस्ट्री को बहुत प्यार मिल रहा है और मैं इस रिस्पॉन्स को देखकर वाकई बेहद खुश हूं। जब दो एक्टर स्क्रीन पर एक खास कम्फर्ट और समझ शेयर करते हैं, तो दर्शक उसे महसूस कर पाते हैं और मुझे खुशी है कि हमारी जोड़ी दर्शकों को पसंद आ रही है।



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।